CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-65
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार, 11 जून 2024

आज का विचार

दिमाग ठंडा हो तो फैसले गलत नहीं होते, और भाषा मीठी हो तो अपने दूर नहीं होते!

सिंगल कॉलम

लोकसभा चुनाव के बाद 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सोमवार को सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी। इसके तहत 10 जुलाई को मतदान होगा जबकि वोटों की गिनती 13 जुलाई को होगी। ये उपचुनाव मौजूदा सदस्यों की मृत्यु या इस्तीफे के कारण खाली हुई सीटों को भरने के लिए कराए जा रहे हैं। जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं उनमें रूपौली (बिहार), रायगंज, राणाघाट दक्षिण, बागदा और मानिकतला (सभी पश्चिम बंगाल), विक्रवंडी (तमिलनाडु), अमरवाड़ा (मध्य प्रदेश), बद्रीनाथ और मंगलौर (उत्तराखंड), जालंधर पश्चिम (पंजाब) और देहरा, हमीरपुर और नालागढ़ (हिमाचल प्रदेश) शामिल हैं। चुनाव के लिए अधिसूचना 14 जून को जारी की जाएगी, नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 जून है, 24 जून को चुनाव पत्रों की जांच होगी और नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 26 जून है। उपचुनाव के तहत मतदान 10 जुलाई को होगा और मतगणना 13 जुलाई को होगी। निर्वाचन आयोग ने कहा कि उपचुनाव की प्रक्रिया 15 जुलाई से पहले पूरी की जानी है।

प्रज्जवल रेवन्ना को 14 दिन की न्यायिक हिरासत, यौन शौषण-दुष्कर्म का मामला

बेंगलुरु। जनता दल सेक्युलर (जेडी-एस) से निष्कासित किए गए नेता और पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रहीं। पहले उन पर कई महिलाओं के यौन शोषण और दुष्कर्म के आरोप लगे। इसके बाद उन्हें हासन लोकसभा सीट से हार भी झेलनी पड़ी और अब उन पर कानून का शिकंजा कसता जा रहा है। यौन शोषण और दुष्कर्म के आरोप में बंगलूरू की एक विशेष अदालत ने रेवन्ना को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बता दें कि कर्नाटक सरकार ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। एसआईटी द्वारा रेवन्ना को अदालत में पेश किया गया है। इससे पहले 31 मई को अदालत ने रेवन्ना को 6 जून तक एसआईटी की हिरासत में भेजा था। इसके बाद हिरासत को 10 जून तक बढ़ाया गया। जेडी-एस से निष्कासित नेता को हिरासत में विस्तृत जांच का सामना करना पड़ा। एसआईटी ने इकट्ठा किए गए सबूत, गवाहों के बयानों के आधार पर रेवन्ना से पूछताछ की। इसके बाद अदालत में पूर्व सांसद के खिलाफ कई आरोप दायर किए। इसके बाद कोर्ट ने भी आरोपों की गंभीरता को समझते हुए रेवन्ना की हिरासत को 14 दिन के लिए बढ़ा दिया। अब प्रज्वल को 24 जून तक एसआईटी की कड़ी पूछताछ का सामना करना होगा। अदालत ने आरोपों की गंभीरता और एसआईटी द्वारा पेश किए गए सबूतों को ध्यान में रखते हुए उन्हें 24 जून तक 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का फैसला किया।

प्रेम सिंह तमांग ने सिक्किम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

गंगटोक। सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के अध्यक्ष प्रेम सिंह तमांग ने राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। यह लगातार दूसरी बार है, जब तमांग सिक्किम के मुख्यमंत्री बने हैं। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन सिक्किम के पालजोर स्टेडियम में आयोजित कराया गया। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने तमांग को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस वर्ष अप्रैल के महीने में सिक्किम में विधानसभा चुनाव संपन्न हुए और 2 जून को नतीजे आए। एसकेएम ने प्रेम सिंह तमांग के नेतृत्व में राज्य में 32 में से 31 सीटों पर प्रचंड जीत हासिल की है। इस बार विधानसभा चुनाव में तमांग ने जिन दो सीटों से उन्होंने चुनाव लड़ा, वहां उन्हें जीत हासिल हुई। सोरेंग-चाकुंग और रेनॉक सीटों पर जीत दर्ज कर तमांग ने एक बार फिर से साबित कर दिया है कि जनता के बीच उनकी मजबूत पकड़ है। प्रेम सिंह तमांग का जन्म 5 फरवरी 1968 को पश्चिम सिक्किम के सिंग्लिंग बस्टी में हुआ था। उनके पिता का नाम कालू सिंह तमांग और मां का नाम धन माया तमांग है। शुरूआती शिक्षा हासिल करने के बाद तमांग ने 1988 में दार्जिलिंग गवर्नमेंट कॉलेज से कला में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। राजनीति में आने से पहले तमांग सरकारी शिक्षक थे। हालांकि, शिक्षक की नौकरी के बदले उनकी सामाजिक कार्यो में अधिक रूचि रही। इसी वजह से वे बाद में सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) की राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने शुरू कर दिया और पार्टी के सदस्य बन गए। इसके बाद उन्होंने सरकारी नौकरी से इस्तीफा दे दिया और एसडीएफ के स्थाई सदस्य बन गए। चामलिंग, एसडीएफ के संस्थापक रहे पूर्व सीएम पवन कुमार चामलिंग को अपना राजनीतिक गुरु मानते थे।

मोदी कैबिनेट का पहला फैसला- 3 करोड़ नए घर बनेंगे

नई दिल्ली। मोदी कैबिनेट ने पहली बैठक में गरीबों के लिए तीन करोड़ नए घर बनाने को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गांवों और शहरों में बनने वाले इन घरों में टॉयलेट, बिजली, पानी और गैस कनेक्शन होगा। इस स्कीम के तहत पिछले 10 साल में कुल 4.21 करोड़ घर पहले ही बनाए जा चुके हैं। योजना के तहत घर बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार से आर्थिक मदद दी जाती है। मोदी 3.0 की पहली कैबिनेट बैठक सोमवार 10 जून को पीएम आवास पर हुई। इसमें सभी कैबिनेट मंत्री शामिल हुए। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंचकर कार्यभार संभाला। उन्होंने पीएमओ में कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने

कहा कि आने वाले वर्षों में वैश्विक मापदंडों से भी आगे जाकर काम करना है। उन्होंने उन्होंने कहा कि जहां कोई नहीं पहुंचा, वहां अपने देश को हमें पहुंचाना है। प्रधानमंत्री ने कहा, मेरा शुरू से प्रयास रहा है कि पीएमओ सेवा का अधिष्ठान और जनता का प्रधानमंत्री कार्यालय बने। सरकार का मतलब सामर्थ्य, समर्पण और संकल्पों की नई ऊर्जा है। हमारी टीम के लिए ना तो समय का बंधन है, ना सोचने की सीमाएं और ना ही पुरुषार्थ के लिए कोई तय मानदंड। इस विजय के बड़े हकदार भारत सरकार के कर्मचारी भी हैं, जिन्होंने एक विजन के लिए खुद को समर्पित कर देने में कोई कमी नहीं रखी। ये चुनाव हर सरकारी कर्मचारी के 10 साल के पुरुषार्थ पर मुहर लगाते हैं। इस विजय के बड़े हकदार और सच्चे हकदार आप लोग हैं।

उन्होंने कहा, उन सभी को मेरा निमंत्रण है, जो विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए समर्पित भाव से खप जाना चाहते हैं। अब समय 10 साल जो मैंने सोचा, उससे ज्यादा सोचने और करने का है। अब जो करना है, वैश्विक मापदंडों को पार करते हुए करना है। जहां कोई नहीं पहुंचा, वहां अपने देश को हमें पहुंचाना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि क्रिकेट का दौर आता है तो किशोरवय के बच्चे सोचते हैं कि मैं क्रिकेटर बन जाऊं। फिर कोई फिल्म बड़ी लोकप्रिय हो गई तो लगता है कि ये फील्ड अच्छा है, मैं एक्टर बन जाऊं। चंद्रयान की घटना घटे तो लगेगा कि मैं वैज्ञानिक बन जाऊं। दो महीने बाद फिर क्रिकेट मैच आ जाए तो उसे लगता है कि वैज्ञानिक बनना मेहनत का काम है, इससे अच्छा है कि क्रिकेटर ही बन जाऊं। ज्यादातर लोगों की इच्छाएं अस्थिर होती हैं। यह तरंग की तरह होता है। अस्थिर इच्छाएं दुनिया की नजरों में तरंग होती हैं। जब लंबे अरसे तक इच्छाओं को स्थिरता मिल जाए तो वह संकल्प में बदल जाती है। संकल्प में जब परिश्रम की पराकाष्ठ जुड़ जाए तो सिद्धि प्राप्त होती है। सफल इंसान वो होता है, जिसके भीतर का विद्यार्थी कभी मरता नहीं है।

पीएम मोदी ने तीसरे कार्यकाल की जिम्मेदारी संभालने के लिए सोमवार को पीएमओ पहुंचे। यहां पीएम मोदी ने सबसे पहले किसान सम्मान निधि की फाइल पर साइन किए। अब इस विभाग की जिम्मेदारी शिवराज सिंह चौहान को सौंप दी गई है। बता दें कि लोकसभा चुनाव के दौरान ही पीएम मोदी ने शिवराज सिंह चौहान को लेकर बड़े संकेत दे दिए थे।

बलौदाबाजार में उग्र प्रदर्शनकारियों से जान बचाकर भागे पुलिसकर्मी

किचन के रास्ते से बाहर निकाले गए कलेक्ट्रेट के कर्मचारी

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार के दहशरा मैदान से हजारों प्रदर्शनकारी दोपहर ढाई बजे कलेक्ट्रेट घेराव के लिए निकले थे। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए कलेक्ट्रेट परिसर से दो सौ मीटर पहले बेरिकेड्स लगाए गए थे। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस जवान मौजूद थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झूमाझटकी हुई और बेरिकेड्स तोड़कर वे कलेक्ट्रेट परिसर पहुंच गए। इस दौरान भीड़ उग्र हो गई और गाड़ियों में तोड़फोड़ और आगजनी शुरू कर दी।कलेक्ट्रेट परिसर के दाहिने हिस्से में स्थित एसपी कार्यालय को आग लगा दी। दर्जनों चारपहिया और सैकड़ों दोपहिया वाहनों को आग के हवाले कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने पथराव भी किया, इस दौरान पुलिसकर्मी खुद की जान बचाकर कार्यालयों में छिपे रहे। बताया जा रहा है कि भीड़ उग्र

हो रही थी, लेकिन लाठीचार्ज के आदेश नहीं मिले। इसके चलते पुलिसकर्मियों को वहां से भागना पड़ा। प्रदर्शनकारी इमारतों पर चढ़ गए और जमकर उत्पात मचाया। आगजनी की खबर पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची तो दमकल वाहनों में भी हमला बोल दिया। इस दौरान दमकल गाड़ियों में तोड़फोड़ करते हुए कई गाड़ियों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। घटना के बाद भीड़ वहां से भाग निकली। इसके बाद पुलिस ने आसपास के इलाके में बैरिकेडिंग कर दी है। किसी को भी घटना स्थल की ओर जाने नहीं दिया जा रहा था। बताया जा रहा है कि सोमवार को आफिस पहुंचे कलेक्टर कार्यालय के डेढ़ सौ से अधिक कर्मचारी इस प्रदर्शन में फंस गए थे। इसके अलावा 50 से अधिक आम आदमी भी फंसे हुए थे, जो अपने अपने काम से कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। इन्हें कलेक्ट्रेट में मौजूद किचन के रास्ते पुलिस फोर्स द्वारा किसी तरह बाहर निकाल कर कलेक्ट्रेट से दूर एक मैदान तक सुरक्षित पहुंचाया गया। आगजनी से कलेक्टर कार्यालय में आग लगने से कई विभागों के दस्तावेज भी जलकर राख हो गए। वहीं एसपी कार्यालय में आगजनी से भारी नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार आधा दर्जन से ज्यादा कारें, बाइक भी जल गए हैं। इनमें सरकारी वाहन भी शामिल हैं। वहीं कुछ आम लोगों की गाड़ियां भी हैं, जो अपने काम के सिलसिले में कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। इंटरनेट मीडिया में बिलाईगढ़ विधायक कविता प्राण लहरे का एक वीडियो प्रसारित हो रहा है। इसमें वे कहती नजर आ रही हैं कि सार्वजनिक संपत्ति हो या किसी की निजी संपत्ति किसी को भी नुकसान नहीं पहुंचाना है। हमारे समाज की लड़ाई है, न्याय के लिए हम एकजुट होकर लड़ रहे हैं, हमें न्याय मिलकर रहेगी।

मुंबई कस्टम ने जब्त किए 4600 लैपटॉप और 32 किलो सोना

मुंबई। देश के सबसे बड़े कंटेनर पोर्ट न्हावा शेवा, जिसे जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह भी कहा जाता है, पर कस्टम विभाग ने लैपटॉप तस्करी का बड़ा भंडाफोड़ किया है। इंटेलिजेंस इनपुट्स के आधार पर अधिकारियों ने विदेशों से मंगाए जा रहे यूज्ड लैपटॉप की बड़ी खेप की बरामदगी की है। अठक के मुताबिक, जवाहरलाल नेहरू कस्टम हाउस के अफसरों ने विशेष खुफिया और इम्पोर्ट जांच शाखा की विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर मुंबई के न्हावा शेवा पोर्ट पर विभिन्न ब्रांडों के 4600 लैपटॉप जब्त किए हैं। जब्त लैपटॉप डेल, एचपी, लेनोवो और अन्य ब्रांड के हैं। इसके अलावा अफसरों ने 1546 पुराने और यूज्ड सीपीयू की भी जब्ती की है, जो सबसे बड़ी जब्ती है। कस्टम अधिकारियों के मुताबिक, ये लैपटॉप और सीपीयू संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से आयात किए गए थे। इसका आपूर्तिकर्ता हांगकांग का रहने वाला है। जब्त किए गए तस्करी के सामान का अनुमानित मूल्य 4.11 करोड़ रुपये है। जब्ती के बाद, विशेष खुफिया और जांच शाखा (एसआईआईबी) ने मुंबई और दिल्ली में एक साथ कई तलाशी ली है, जिसके परिणामस्वरूप आयात करने वाली फर्म के मास्टरमाइंड सह मालिक को गिरफ्तार किया गया है। न्हावा शेवा पर कस्टम के अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई तस्करी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। इसी तरह के एक अन्य अभियान में मुंबई कस्टम के अधिकारियों ने आज छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर स्पॉट प्रोफाइलिंग के आधार पर 2 अलग-अलग मामलों में 19.15 करोड़ रुपये मूल्य का 32.79 किलो सोना जब्त किया है। यात्रियों ने अंडरगारमेंट्स और बैगेज में सोना छिपा रखा था। कस्टम अफसरों ने दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया है। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर भी कस्टम के अफसरों ने प्रोफाइलिंग के आधार पर मॉस्को से आए दो यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 67 लाख रुपये की कीमत का 998 ग्राम विदेशी सोना बरामद किया गया था। दोनों यात्रियों को कस्टम्स एक्ट 1962 के तहत गिरफ्तार किया गया है और उनके खिलाफ आगे की जांच की जा रही है।

पीएम मोदी ने बांटे विभाग... गृह-रक्षा-विदेश-वित्त मंत्रालय पर बीजेपी का दबदबा, गृहमंत्री बने रहेंगे अमित शाह, राजनाथ को रक्षा, निर्मला को वित्त, गडकरी को सड़क व परिवहन, अश्विनी वैष्णव को रेल मंत्रालय

शिवराज बने कृषि मंत्री, सिंधिया को दूरसंचार, वीरेंद्र खटीक को समाजिक न्याय

सावित्री ठाकुर महिला एवं बाल कल्याण राज्य मंत्री, दुर्गादास उइके ट्राइबल अफेयर राज्यमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहयोगियों के बीच मंत्रालयों का बंटवारा कर दिया। खास बात यह कि मोदी की टीम में पुराने 'खिलाड़ियों' का मंत्रालय नहीं बदला गया है। एक और अहम बात, ज्यादातर बड़े मंत्रालय बीजेपी के नेताओं को ही दिए गए हैं, लेकिन सहयोगियों को भी नाराज नहीं किया गया है। उन्हें भी एवएिशन, फूड प्रोसेसिंग समेत कई अहम विभाग दिए गए हैं।

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए सोमवार को मंत्रालयों का बंटवारा कर दिया। वरिष्ठ मंत्रियों को पिछली बार की तरह ही जगह दी गई है। अमित शाह गृहमंत्री बने रहेंगे, जबकि वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री रहेंगे। इसके अलावा पूर्व भाजपा अध्यक्ष नितिन गडकरी सड़क परिवहन मंत्री होंगे। उन्हें अजय टम्टा और हर्ष मल्होत्रा के तौर पर दो राज्य मंत्री भी दिए गए हैं। नितिन गडकरी को यह मंत्रालय दोबारा मिलना अहम है। ऐसा इसलिए क्योंकि चर्चा थी कि टीडीपी और जेडीयू भी इस मंत्रालय पर दावा ठोक रहे हैं। अपने 10 सालों के कार्यकाल में नितिन गडकरी सड़क परिवहन मंत्री के तौर पर चर्चित रहे हैं। पूरी लिस्ट पर नजर दौड़ाएं तो मनोहर लाल खट्टर और अश्विनी वैष्णव जैसे नेताओं का कद बढ़ गया है। दोनों ही नेताओं को न सिर्फ कैबिनेट में शामिल किया गया है बल्कि कई अहम मंत्रालय सौंपे गए हैं। रेलवे में बड़े बदलाव करने वाले अश्विनी वैष्ण को तो अब सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और आईटी मंत्रालय भी सौंपे गए हैं। वहीं मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान अब कृषि मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय संभालेंगे। पिछले कार्यकाल में यह जिम्मेदारी मध्य प्रदेश के ही नरेंद्र सिंह तोमर को मिली थी।

आठ बिहारी मंत्रियों का मंत्रालय

लोग जनशक्ति पार्टी रामविलास के अध्यक्ष और हाजीपुर सांसद चिराग पासवान को खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय दिया गया है। पहली बार सांसद बने हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी को सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय दिया गया है। पंचायती राज मंत्रालय के साथ मत्स्यपालन पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय दिया गया है। भाजपा के बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह को कपड़ा मंत्रालय दिया गया है। जदयू कोटे से राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर को कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय का राज्य मंत्री बनाया गया है। गृह मंत्री अमित शाह के साथ रहे उजियारपुर के भाजपा सांसद नित्यानंद राय की जिम्मेदारी नहीं बदली गई है। उन्हें फिर से गृह राज्य मंत्री बनाया गया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद सतीश चंद्र दुबे को कोयला और खनन मंत्रालयों का राज्य मंत्री बनाया गया है। भाजपा के मुजफ्फरपुर से पहली बार सांसद बने राजभूषण चौधरी को जल शक्ति राज्य मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है।

शिवराज को बड़े मंत्रालय

लंबे वक्त तक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान को कृषि मंत्रालय, किसान कल्याण मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय सौंपा गया है। उनके पास गांव के लोगों और किसानों तक पहुंचने और उनकी समस्याएं दूर करने का काम होगा। मनोहर लाल शहरी विकास मंत्रालय संभालेंगे। प्रह्लाद जोशी उपभोक्ता मामलों के मंत्री होंगे। सीआर पाटिल जल शक्ति मंत्रालय संभालेंगे। उनके पास प्रधानमंत्री की महात्वाकांक्षी योजना हर घर को नल से जल पहुंचाने की जिम्मेदारी होगी। खुद को मोदी का हनुमान बताने वाले चिराग को अहम जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें फूड प्रोसेसिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। किरेन रिजीजू को भी अहम जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें संसदीय कार्यमंत्री बनाया गया है। रवनीत बिट्टू अल्पसंख्यक मामले देखेंगे। सीसीएस में कोई बदलाव नहीं मंत्रालयों के विभागों को देखें तो कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। पांच सदस्यीय इस कमेटी में प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस जयशंकर शामिल होंगे। अश्विनी वैष्णव फिर से रेल चलाने का जिम्मेदारी संभालेंगे। हरदीप पुरी पेट्रोलियम मंत्री बनाए गए हैं। पीयूष गोयल वाणज्यि मंत्रालय फिर से देखेंगे, तो गिरिराज सिंह को कपड़ा मंत्रालय मिला है।

इंदौर-खंडवा फोरलेन मार्ग के काम ने रोकी नर्मदा की धार, 40 घंटे बाद बही नर्मदा

इंदौर- ओंकारेश्वर। हमेशा प्रवाहमान रहने वाली नर्मदा नदी को पहली बार ओंकारेश्वर वासियों ने सूखा देखा। 40 घंटे तक पानी को ओंकारेश्वरे डेम पर पूरी तरह रोक दिया गया। इस कारण नागर घाट पर नदी सूख गई। नदी के तल की चट्टानें दिखाई दे रही थी। लोग नर्मदा नदी के एक छोर से दूसरे छोर तक पैदल जा सकते थे। नर्मदा के इस रूप को देखने के लिए कई लोग पैदल ही नदी में घूमे। इंदौर-खंडवा मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण फोरलेन बना रहा है। बड़वाह के समीप नर्मदा नदी पर 1275 मीटर लंबा ब्रिज का निर्माण भी किया जा रहा है। नर्मदा नदी के मध्य हिस्से में पिलरों के निर्माण के लिए नदी का पानी रोकने की जरुरत थी। प्राधिकरण ने पानी रोकने की मांग की थी। इस कारण शुक्रवार रात को बांध से पानी बहाना बंद कर दिया गया। दो-तीन घंटे बाद ओंकारेश्वरे में नदी के घाटों से पानी उतरने लगा। शनिवार सुबह नदी को लोग पैदल पार सकते थे। 40 घंटे तक नदी के लिए बांध का पानी नहीं छोड़ा गया। इस दौरान पिलरों का निर्माण एनएचएआई ने पूरा कर लिया। इसके बाद रविवार रात डेम से नदी के लिए फिर पानी छोड़ा गया। इससे पहले हूटर बजाकर घाट पर चेतावनी दी गई, ताकि नदी के घाट पर खड़े लोग सचेत हो जाए। सोमवार सुबह नर्मदा नदी पहले की तरह प्रवाहमान नजर आई। बड़वाह में कटघड़ा के समीप नया ब्रिज तैयार हो रहा है। फिलहाल बड़वाह से मोरटक्का के बीच दो लेन ब्रिज बना हुआ है। संकरा होने के कारण ब्रिज पर आए दिन यातायात बाधित होता है इसके अलावा बाढ़ के समय पानी ब्रिज के उपर से बहता है। तब भी आवागमन रुक जाता है। नए ब्रिज में यह समस्या नहीं आएगी।

इंदौर के बहुचर्चित पिगडंबर हत्याकांड में कोर्ट ने सुनाया फैसला

कांग्रेस नेता के 7 साल बेटे के दो हत्यारों को फांसी की सजा

इंदौर। इंदौर के किशनगंज थाना क्षेत्र में पिछले साल 7 साल के बच्चे का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी गई थी। कोर्ट ने 16 महीने की सुनवाई के बाद सोमवार को फैसला सुनाया। शहर के किशनगंज क्षेत्र के पिगडंबर में रहने वाले कांग्रेस नेता जितेंद्र ठाकुर के 7 वर्षीय बेटे हर्ष ठाकुर का उसके ही परिचितों ऋतिक और विक्रांत व एक अन्य युवक ने फिरौती के लिए अपहरण किया था। फिरौती नहीं मिलने पर बदमाशों ने मासूम का गला घोंटकर हत्या कर दी थी। इस मामले में किशनगंज थाना पुलिस ने जांच करने के दौरान सारे सबूत जमा किए। इन्हें कोर्ट के समक्ष रखा। बता दें कि बदमाशों ने बालक का अपहरण करने के बाद 4 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। नहीं देने पर ये बदमाश बालक की हत्या पर उतारू हो गए। घटनाक्रम में हर्ष का अपहरण करने वाला आरोपी ऋतिक रिश्ते में दूर का भाई था। इस मामले में कोर्ट के समक्ष पुलिस ने विभिन्न प्रकार के साक्ष्य प्रस्तुत किए। इस दौरान 30 गवाहों ने भी आरोपियों के खिलाफ गवाही दी। सभी साक्ष्य और गवाहों को सुनने के बाद कोर्ट ने दोनों आरोपियों को फांसी की सजा से दंडित किया। एक आरोपी सबूतों के अभाव में बरी हो गया। विशेष न्यायाधीश देवेंद्र कुमार मिश्रा की कोर्ट ने सुनवाई करने के बाद फैसला सुनाया। पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता आशीष शर्मा ने बताया कि कोर्ट ने

विभिन्न तरह के साक्ष्यों को देखने और सुनने के बाद आरोपियों को सख्त सजा से दंडित किया है। इस हत्याकांड पर फैसला मार्च में ही आ सकता था क्योंकि आरोपी ऋतिक एक कबूलनामा पेश कर चुका था। जब फैसले में देरी हुई तो हर्ष के पिता जितेंद्र चौहान ने जिला कोर्ट में आवेदन किया। इसमें कहा था कि यह प्रकरण क्रमांक 30/2023 अपर सत्र न्यायाधीश की कोर्ट में लंबित है। केस का जल्द निराकरण नहीं किया जा रहा है। इससे फरियादी को न्याय मिलने में देरी हो रही है। पहले भी न्याय के लिए गुहार लगाई गई। न्यायालय से न्याय हित में निवेदन है कि आवेदन पत्र स्वीकार कर केस को अन्य न्यायालय में ट्रांसफर करने का आदेश पारित करने की कृपा करें। इसके बाद केस को जिला कोर्ट ने महू से हटाकर विशेष न्यायालय इंदौर में ट्रांसफर कर दिया था। सोमवार को इस पर फैसला सुना दिया गया है।

सुनवाई के दौरान आरोपी ऋतिक ने सहानुभूति हासिल करने के लिए एक कबूलनामा भी पेश किया था। इसमें उसने कहा था कि मैं अपना अपराध स्वीकार करता हूं। हर्ष का अपहरण पुरानी रंजिश और फिरौती के लालच में किया था। दुर्घटनावश हर्ष की जान चली गई। पूरी घटना को मैंने अंजाम दिया है। घटना में विक्रांत ठाकुर और हरिओम वाघेला (साथी आरोपी)का कोई हाथ नहीं है। मैंने विक्रांत के नशे का आदी होने की कमजोरी का फायदा उठाया। यह बात मैं अपने पूरे होश और बिना किसी दबाव के कह रहा हूं। इसी सात पन्ने के कबूलनामे पर सरकारी वकील को शक हुआ। उसने कोर्ट से कहा था कि यह कबूलनामा सहानुभूति बंटोरने की कोशिश है और संदिग्ध भी..। इसके सिर्फ दस्तखत आरोपी से मेल खाते हैं। बाकी चिट्ठी की राइटिंग अलग ही है। चिट्ठी की जांच होनी चाहिए कि यह किसने लिखी इसी संदेह के बाद जेलर से रिपोर्ट मांगी गई थी। जिसके जवाब में यह बात साफ हो गई है कि सरकारी वकील का शक सही था।

इंदौर के पिगडंबर में 5 फरवरी 2023 को 4 करोड़ की फिरौती के लिए 6 साल के हर्ष पिता जितेंद्र चौहान की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मुख्य आरोपी रिश्तेदार ऋतिक (पिगडंबर), उसका दोस्त विक्रांत (राऊ), हरिओम (शाजापुर) और ऋतिक के छोटे भाई को गिरफ्तार किया गया था। आरोप था कि ऋतिक और विक्रांत ने बच्चे हर्ष को कार में बैठाने के बाद उसके मुंह में कपड़ा ठूंसा और टेप लगाकर उसका मुंह बंद कर मारा था। घटना का मास्टर माइंड ऋतिक मृत बच्चे के पिता जितेंद्र के भांजे का भांजा ही है जो पिगडंबर में ही अलग कमरे में रहता था। बावजूद, ऋतिक ने अपने दोस्त विक्रांत के साथ मिलकर जितेंद्र के बेटे हर्ष का अपहरण किया और उसकी जान ले ली। वह 4 करोड़ रुपए फिरौती में चाहता था लेकिन जब पकड़ाने का डर हुआ तो अपहृत बच्चे हर्ष की हत्या कर दी। मामले में मृतक हर्ष के परिवारजनों की तरफ से घटना के बाद आरोपी को फांसी देने की मांग की गई थी। मां रंजना ने कहा था कि आरोपियों को फांसी होने पर ही हर्ष की आत्मा को शांति मिलेगी। वो जेल में रोटी खा रहे और हम मां-बाप रोज मर रहे।

सड़क में बाधक बिचौली कांकड़ बस्ती को नगर निगम ने हटाया

इंदौर। इंदौर में एक बस्ती के बाधक हिस्से हटाने पहुंचे नगर निगम के अमले को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। इस कारण अतिक्रमण हटाने का काम एक घंटे के लिए रुका रहा। रहवासियों ने अफसरों को घेरा और थोड़े दिन की और मोहलत देने की मांग की,लेकिन अफसर नहीं माने। बस्ती में रोड चौड़ाई की जद में आ रहे 40 से ज्यादा निर्माणों को हटाया गया। ज्यादातर परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान दिए गए है। रहवासी मुआवजे की मांग भी कर रहे थे। भूरी टेकरी से नायता मुंडला तक आरई-2 सड़क का निर्माण हो रहा है। इस मार्ग पर नायता मुंडला के समीप बस स्टेशन भी प्राधिकरण बना रहा है, लेकिन स्टेशन तक जाने के लिए सड़क चौड़ी नहीं है। इस बस्ती के डेढ़ सौ से ज्यादा परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के मकान दिए जा चुके है। बिचौली कांकड़ बस्ती में कुल 265 परिवारों के मकान इस सड़क की चौड़ाई में बाधक बने हुए है। दोपहर में बस्ती पहुंचे अमले ने पहले रहवासियों को मकान में से सामान हटाने के लिए कहा। जो मकान खाली हो गए। उन्हें तोड़ने के लिए जेसीबी आगे बढ़ा तो रहवासी जेसीबी के सामने खड़े हो गए। विरोध करने वालों में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल थी। इस कारण मौके पर महिला पुलिस भी बुला ली। काफी देर तक हंगामे और नारेबाजी का दौर चला, लेकिन अफसरों की सख्ती के कारण ज्यादातर निर्माण हटा लिए गए। अब इस हिस्से में सड़क बनाने का काम शुरू होगा। यह सड़क नायता मुंडला बस स्टेशन से खजराना मंदिर होते हुए एमर-10 जंक्शन से जुड़ेगी।

अब आर्टफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से पब और बार पर नकेल

इंदौर। इंदौर में देर रात तक खुले रहने वाले पब और बार पर नकेल कसने के लिए प्रशासन अब आर्टफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद लेगा। इसकी मदद से पब और बार का बंद होने के समय पर लाइव फीड लिया जाएगा। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि अब पब और बार के बंद होने के बाद लाइव फीड लिया जाएगा। यदि किसी बार या पब संचालक द्वारा लाइव फीड नहीं दी जाती है तो उसके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा एक से दो हफ्ते में कंट्रोल रूम स्थापित कर यह व्यवस्था शुरू की जाएगी। रात 12 बजे बाद पब या बार में कोई एक्टिविटी होगी तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भी मदद ली जाएगी। इसके जरिए पब या बार मे कोई गतिविधि होगी तो उसका ऑटोमैटिक अलर्ट मैसेज मिल जाएगा। यह अलर्ट मैसेज आबकारी अधिकारी के साथ ही संबधित एसडीएम और पुलिस को भी जाएगा।

गोवंश तस्करी के खिलाफ विहिप ने किया कलेक्टोरेट पर प्रदर्शन

इंदौर। गोवंश हत्या और उनकी तस्करी को लेकर सोमवार को विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने कलेक्टोरेट समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया। विहिप के मालवा प्रांत गो रक्षा विभाग, देशी गोवंश संरक्षण व संवर्धन समिति के बैनर तले किए प्रदर्शन में हिन्दू संगठनों की काफी संख्या में महिलाएं भी शामिल थी। सभी ने गोवंश हत्या और तस्करी का जमकर विरोध करने के साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया। कार्यकताओं ने गो तस्करों के खिलाफ मजबूत कानून लाने की मांग की। यह प्रदर्शन सोमवार को सिर्फ इंदौर में ही नहीं बल्कि पूरे मप्र और छत्तीसगढ़ में किया गया। कार्यकर्ता बड़ी संख्या में तख्तियां लेकर कलेक्टोरेट पहुंचे। गो रक्षा समिति इंदौर विभाग प्रमुख योगेश होलानी ने बताया कि बात सिर्फ गाय की नहीं है बल्कि केड़े, बैल सहित पूरे गोवंश की है। पिछले दिनों पुलिस ने 90 केड़े पकड़े थे। बाद में आरोपी छूट गए। उन्होंने कहा कि मप्र का कानून लचर है। इसके लिए उत्तराखण्ड जैसा मजबूत कानून होना चाहिए। कार्यकताओं ने कहा कि गो हत्या व तस्करी रोकने के लिए बजरंग दल लगातार प्रयासरत है। इसके बावजूद जमकर तस्करी हो रही है। प्रदर्शन के बाद समिति पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम एडीएम रोशन राय को ज्ञापन दिया और गोवंश तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

पेड़ों को बचाने सड़क पर उतरे लोग, राजवाड़ा से रीगल तक निकाला पैदल मार्च

इंदौर। पेड़ों को बचाने जनहित पार्टी के आह्वान पर सोमवार सुबह पैदल मार्च राजवाड़ा से रीगल तिराहे तक निकाला गया। इसके बाद संभागायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। बता दें जनहित पार्टी द्वारा एमओजी लाइन और हुकुमचंद मिल के हजारों हरे भरे पेड़ विकास के नाम पर काटने के विरोध में पिछले 20 दिनों से जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। जिसे जनता द्वारा हस्ताक्षार करके समर्थन मिल रहा है। अभी तक के कार्यक्रम में एमओजी लाइन के कटने वाले पेड़ो की नंबरिंग करके उनका पंचनामा बनाया गया। 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पेड़ काटने का विरोध दर्ज कराने राजवाड़े पर शहर के जागरूक नागरिकों द्वारा मानव श्रृंखला बनाई गई जिसमें पेड़ों के महत्व वाले बैनर और तख्ती लेकर नागरिक खड़े रहे। इसी क्रम में सोमवार सुबह 9 बजे शहर के कई गणमान्य नागरिक बच्चों और परिवार सहित राजवाड़ा पर एकत्रित हुए और उसके बाद हाथ में पेड़ों को बचाने और उसके महत्व वाली तख्तियां और बैनर लेकर रीगल तक पैदल मार्च के रूप में गए। उसके बाद 11 बजे संभागायुक्त कार्यालय पर जाकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन के साथ इन्दौर के 6127 नागरिकों ने मागों के समर्थन में अपने हस्ताक्षर किए

कौन बनेगा चमेलीदेवी प्लेंक पोज स्टार स्पर्धा इंदौर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारिया शुरू

लंदन की चार्लोट और मुंबई की नताशा इंदौरियों को सिखाएंगी योग

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में शहर में पहली बार आयोजित की जा रही कौन बनेगा चमेलीदेवी प्लेंक पोज स्टार स्पर्धा के प्रति शहर की विभिन्न संस्थाओं में व्यापक उत्साह देखने को मिल रहा है। 21 जून को रेसकोर्स रोड स्थित अभय खेल प्रशाल पर आयोजित इस स्पर्धा एवं योग तथा ध्यान के वृहद आयोजन में अनेक आकर्षण भी जुड़ गए हैं। विजेताओं को करीब दो लाख रुपए के नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे। इस मौके पर बीएसएफ, पुलिस, विभिन्न कालेजों के छात्र-छात्राएं भी स्पर्धा में शामिल रहेंगे। लंदन से आने वाली महिला योग प्रशिक्षक चार्लोट बॉटमली एवं मुंबई से आने वाली चांदनी नाथानी भी इस स्पर्धा में प्रतिभागियों का योग प्रशिक्षण के लिए मार्गदर्शन और निर्देशन करेंगी। मुख्य स्पर्धा के पूर्व 15 एवं 16 जून को गीता भवन परिसर में करीब 600 प्रतिभागियों में से 21 जून को होने वाले मुख्य स्पर्धा के लिए श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा। शिविर संयोजक किशोर गोयल एवं राजेश बंसल ने बताया कि बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन एवं चमेलीदेवी योग केन्द्र की मेजबानी में योग एवं ध्यान के प्रति आम लोगों में दिलचस्पी एवं जागरूकता लाने के उद्देश्य से इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को खेल प्रशाल पर यह विशेष आयोजन भी होगा। समाजसेवी विनोद अग्रवाल एवं प्रेमचंद गोयल की प्रेरणा से पहली बार ह्यकौन बनेगा चमेली देवी प्लेंक पोज स्टार की दिलचस्प आयोजन भी हो रहा है। इसके लिए 15 एवं 16 जून को शहर के योग प्रेमियों में से चुनिंदा प्रतिभागियों को आमंत्रित कर करीब 600 और इन 600 में से चुनिंदा 200 प्रतिभागियों का चयन 21 जून को होने वाली स्पर्धा के लिए किया जाएगा। इसकी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। शुक्रवार को फाउंडेशन के यशवंत निवास रोड स्थित कार्यालय पर फाउंडेशन के चेयरमैन विनोद अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में स्पर्धा की प्रक्रिया को अंतिम रूप दे दिया गया। अब 21 जून को होने वाले मुख्य आयोजन में बीएसएफ, पीटीए, विभिन्न कालेजों के अलावा चमेलीदेवी योग केन्द्र के शहर में वर्तमान में चल रहे केन्द्रों से करीब एक हजार साधकों का चयन किया गया है। इसी तरह अग्रवाल ग्रुप, नगर निगम, मानवता की पहचान संस्था, मूक बधिर संस्थान, अन्नपूर्णा वेद विद्यालय के बटुक सहित इन सभी संस्थाओं के साधक भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। शहर के अनेक गणमान्य व्यक्ति भी इस कार्यक्रम में शामिल रहेंगे तथा सैकड़ों योग प्रेमी भी आएंगे, जो पिछले कई वर्षों से योग में दिलचस्पी रखते आ रहे हैं। इस तरह शहर के विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी एवं धार्मिक, सामाजिक संगठनों को प्रतिनिधित्व देते हुए यह प्रभावी आयोजन होगा। कार्यक्रम में लंदन से आई योग की प्रशिक्षक भी मार्गदर्शन एवं निर्देशन प्रदान करेंगी। इसी तरह जुम्बा प्रशिक्षक आरती माहेश्वरी द्वारा भी जुम्बा का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

परिवारवाले करा रहे थे नाबालिग बेटी की शादी, बेरंग लौटी बरात

इंदौर। इंदौर में बाल विवाह रुकवाने मामला सामने आया है। इंस्टाग्राम के माध्यम से दूल्हा-दुल्हन की दोस्ती हुई थी। आपस में बातचीत के दौरान दोनों शादी के लिए तैयार हो गए। उन्होंने शादी नहीं करने पर घर से भागने की बात कही। परिजनों का कहना है कि वे ऐसा न करें इसलिए हम मजबूरन शादी करने को तैयार हो गए। विवाह करने आए पंडित राजू मिश्रा ने कहा कि उन्हें जानकारी नहीं थी इसलिए वे शादी कराने चले आए। बता दें कि दूल्हा तो 27 साल का था लेकिन दुल्हन केवल 15 साल की थी। इसी कारण यह विवाह रुकवाया गया है। विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रामनिवास बुधौलिया ने बताया कि रविवार को एमआईजी थाना क्षेत्र अंतर्गत कृष्ण बाग कॉलोनी में एक नाबालिग बेटी का विवाह होने की ऑनलाइन सूचना मिली थी। शिकायत में कहा गया था कि नाबालिग बेटी का विवाह उसके घर पर ही किया जा रहा है बरात पहुंच गई है और फेरों की तैयारी कर ली गई है। सूचना मिलती मामले की जांच करने के लिए लाडो अभियान कोर ग्रुप के महेंद्र पाठक ने बाल संरक्षण अधिकारी भगवान दास साहू, कोर ग्रुप सदस्य देवेंद्र कुमार पाठक, थाना एमआईजी के प्रधान आरक्षक शिव कुमार यादव व पुलिस बल के साथ मौके पर जाकर पूछताछ की। अचानक पहुंचे दल ने दोनों पक्षों से चर्चा की तो दूल्हे की मौसी ने पहले तो गुमराह करने का प्रयास करते हुए कहा कि इन लोगों में सगाई की रस्म इसी तरह से मंडप सजाकर की जाती है। परिजनों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज के अनुसार बालिका की उम्र 15 वर्ष निकली। वहीं गुजरात से आए दूल्हे की उम्र लगभग दोगुना 27 साल निकली। पाठक ने जब उनसे सख्ती से बातचीत की तो उन्होंने विवाह होने के बाद स्वीकार की। दस्ता प्रभारी बैठक में परिजनों को समझाया तब युवती ने कहा कि वह अपनी मर्जी से शादी कर रही है।

नौरादेही अभ्यारण्य में लगे कैमरों में कैद हुआ दुर्लभ चौसिंगा मृग

टाइगर रिजर्व प्रबंधन में उत्साह

भोपाल। मध्यप्रदेश के सातवें और सबसे बड़े टाइगर रिजर्व वीरांगना रानी दुर्गावती (नौरादेही) टाइगर रिजर्व से बड़ी खुशखबरी आई है। यहां बाघों की गणना के लिए लगाए गए कैमरा ट्रैप में विलुप्तप्राय प्राणी चौसिंगा कैद हुआ है। कैमरा ट्रैप में चौसिंगा की तस्वीर सामने आने पर टाइगर रिजर्व प्रबंधन में उत्साह का माहौल है। चौसिंगा भारत में पाया जाने वाला एक विलुप्तप्राय मृग है। नौरादेही टाइगर रिजर्व में चौसिंगा नजर आने से काफी उम्मीद बढ़ी है। प्रकृति संरक्षण के लिए समर्पित अंतरराष्ट्रीय संस्था आईयूसीएन (इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर) ने अपनी रेड अलर्ट सूची में रखा है। भारत सरकार ने भी वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के अंतर्गत चौसिंगा को बाघ के साथ एक ही श्रेणी की संरक्षित सूची में रखा है। चौसिंगा एशिया महाद्वीप में भारत और नेपाल में पाए जाने वाला मृग है। नेपाल में भी इसकी संख्या काफी कम है। इसका वैज्ञानिक नाम टेटाटेरस क्वाड्रिकारनिस है। यह एक खूबसूरत छोटे आकार का मृग है। जन्म के कुछ समय बाद चौसिंगा के दो सींग आते हैं। व्यस्क होने पर दो सींग और निकल आते हैं। चार सींग केवल नर चौसिंगा में पाए जाते हैं।

केवल नर चौसिंगा में पाए जाते हैं चार सींग इसके दो सींग सामान्य तौर पर कान के बीचों-बीच और दो सींग आगे माथे की तरफ पाए जाते हैं।खास बात ये है कि इसकी सबसे ज्यादा संख्या बुंदेलखंड में ही पन्ना टाइगर रिजर्व में है। अब नौरादेही टाइगर रिजर्व में चौसिंगा के नजर आने के बाद माना जा रहा है कि बुंदेलखंड विलुप्तप्राय चौसिंगा की पसंदीदा जगह है और इधर इसके संरक्षण के लिए प्रयास किया जा सकते हैं।

मंत्रियों और विधायकों के बंगलों के नाम पर तुलसी नगर और शिवाजी नगर में उजाड़ी जाएगी हरियाली

29 हजार पेड़ काटने के प्रस्ताव पर कांग्रेस हमलावर

भोपाल। राजधानी भोपाल में मंत्री और विधायकों के लिए नए बंगले बनाने की तैयारी है। इसके लिए करीब 29 हजार पेड़ों को काटा जाएगा। इस मामले को लेकर पूर्व नेता प्रतिपक्ष और विधायक अजय सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार भोपाल के हजारों पेड़ों को काटने का पाप एक बार फिर करने जा रही है। मंत्रियों और विधायकों के बंगलों के नाम पर तुलसी नगर और शिवाजी नगर के 29 हजार से अधिक पेड़ काटने का प्रस्ताव अंतिम चरण में है, सिर्फ मुख्यमंत्री की मंजूरी बाकी है। अजय सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव से आग्रह किया है कि वे विकास और विनाश में फर्क करें और इस आत्मघाती प्रस्ताव को मंजूरी बिलकुल न दें। बिल्डरों और अधिकारियों की मिलीभगत से इसमें एक बड़े षडयंत्र की बू आ रही है। प्रथम दृष्टया प्रस्ताव सिरे से खारिज करने लायक है। पहले रिडेवलपमेंट, फिर स्मार्ट सिटी और गेमन प्रोजेक्ट और बाद में कोलार रोड के चौड़ीकरण के लिये हजारों पेड़ों की बलि दी जा चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि कांक्रीट बढ़ाकर हम खूबसूरत हरे-भरे भोपाल को हीट आईलैण्ड बना रहे हैं। यही कारण है कि गर्मी में भोपाल का औसत तापमान पांच से सात डिग्री तक बढ़ गया है। इसे हाल ही में भोपाल वासियों ने महसूस भी किया है। हरियाली बासठ प्रतिशत से घट कर ग्यारह प्रतिशत ही रह गयी है। हरियाली भोपाल की पहचान है। अच्छा होता कि एकतरफा प्रस्ताव तैयार करने के पहले पब्लिक ओपीनियन भी प्राप्त कर ली जाती। भाजपा सरकार पूरी तरह मनमर्जी पर उतारू है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का उल्लंघन, सेहत पर पड़ेगा असर

सिंह ने कहा कि पेड़ कटने के बाद मौसम परिवर्तन हो रहा है। लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर हो रहा है और बीमारियां बढ़ रही हैं। सरकार का कृत्य पूरी तरह शुद्ध हवा में जीने के मानव अधिकारों का उल्लंघन है। एनजीटी लगातार आपत्ति जता रही है लेकिन सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। हरियाली को नष्ट करना सुप्रीम कोर्ट के निर्देश और अंतरराष्ट्रीय पेरिस समझौते का उल्लंघन भी है।

जरूरत से ज्यादा बंगले पहले से हैं तो नए बनाने की क्या जरूरत

अजय सिंह ने कहा कि आज भोपाल को स्व. एमएन बुच की याद आ रही है जिन्होंने 81-82 में वन सचिव रहते हुए सैकड़ों प्रजातियों के 50 हजार पेड़ लगाकर क्षेत्र को हरा-भरा बनाया था। उन्होंने कहा कि जब मंत्रियों और विधायकों के लिये जरूरत से ज्यादा बंगले पहले से ही मौजूद हैं तो नये बनाने की क्या जरूरत है। यदि बनाना ही है तो ऐसी जगह चुनी जाए, जहां पेड़ न काटना पड़े। पुराना एमएलए रेस्ट हाऊस, भेल क्षेत्र, नीलबड़, रातीबड़ आदि बहुत सारे स्थान हैं। इच्छा शक्ति हो तो सारे विकल्प निकल आते हैं। एक ओर तो सरकार जल स्त्रोतों के उन्नयन के लिये हरित क्षेत्र विकसित करने का अभियान चला रही है वहीं दूसरी ओर पेड़ काटने के लिये भी उतारू है। भाजपा सरकार का यह कैसा विरोधाभास है जो सबकी समझ से परे है। विभिन्न नागरिक संगठन, एनजीटी, फिर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी भी कर रहे है। सरकार को सभी पहलुओं पर ध्यान देना चाहिये।

मैनेजर से 3.79 लाख की लूट में नाबालिग समेत तीन गिरफ्तार

आरोपियों के पास से लूट के 2.61 लाख जब्त, बाकी फरार आरोपी के पास

भोपाल। खजूरी सड़क इलाके में पेट्रोल पंप के मैनेजर की आंखों में मिर्ची पाउडर झोंककर 3.79 लाख की लूट की घटना का सोमवार को पर्दाफाश किया। इस घटना को चार हिस्ट्रीशीटर बदमाशों ने अंजाम दिया था, जिसमें एक नाबालिग था। पुलिस ने तीन को गिरफ्तार कर लिया है, बाकी एक फरार है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूट के 2.61 लाख की रकम जब्त की है। बाकी रकम फरार आरोपी के पास में है। घटना के बाद पुलिस ने आसपास के करीब 50 से ज्यादा सीसीटीवी खंगाले और एक फुटेज में आरोपी नजर आ गए थे। जब उनकी जानकारी जुटाई तो उन पर हत्या के प्रयास, मारपीट, अवैध हथियार जैसे मामले दर्ज निकले। 6 जून को भारत पेट्रोल पंप के मैनेजर 52 वर्षीय मनोज भावसार साल से पेट्रोल पंप पर नौकरी कर रहा है। हफ्ते में दो से तीन बार वह पंप की बिक्री की रकम को आईसीआईसीआई बैंक में जमा करने जाता है। छह जून को शाम साढ़े बजे वह रुपये लेकर काले रंगे बैग में लेकर निकला था। थोड़ी दूरी पर पहुंचा तो पेड़ की आड़ में खड़े लड़के ने उसे रूकने का इशारा और बगल से आकर उसे धक्का देकर गिरा दिया था। बाद में दूसरे लड़के ने मिर्ची पाउडर उसके मुंह पर मारकर उसके 3.79 लाख रुपये के नोटों का बैग लेकर भाग गए थे। बाद में पुलिस को जानकारी दी गई।

सातवीं तक पढ़ा है एक आरोपी, दूसरा करते है मजदूरी पुलिस को एक स्थान के फुटेज में बदमाश इन्द्र नगर मछली मार्केट बैरागढ़ निवासी चिंटू उर्फ अरूण राव नजर आ गया था। पुलिस ने उसे बैरागढ़ से हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने लूट की वारदात कबूल कर ली और अपने साथी कुम्हार मोहल्ला बैरागढ़ निवासी अन्नू उर्फ मन्नू उर्फ विशाल पाल और नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया। इनका चौथा साथी सनी राजपूत निवासी- नयी बस्ती भैसाखेड़ी फरार है। आरोपी चिंटू सातवीं कक्षा तक पढ़ा है और लोगों को पुताई करने का काम बताता है, अन्नू मजदूरी करता है। दोनों आरोपी शातिर बदमाश हैं। दोनों पर दर्जनभर के करीब आपराधिक रिकार्ड है। उनके चौथे साथी की तलाश में पुलिस टीम रवाना है।

पानी के भीतर खनन पर सख्ती से लगाई जाएगी रोक

भोपाल । मप्र में 15 सितंबर तक नदी के किनारों पर 250 हेक्टेयर तक के बड़े क्षेत्रों में नए सिरे से खदान घोषित की जाएगी, ताकि वर्तमान में संचालित छोटी खदानों के आस-पास उपलब्ध रेत का भी वैध तरीके से खनन हो सके। इसी तरह पानी के भीतर किसी भी प्रकार के उत्खनन (इन-स्ट्रीम माइनिंग) को सख्ती से रोका जाएगा। खनिज साधन विभाग के प्रमुख सचिव निकुंज श्रीवास्तव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर/ कलेक्टरों की बैठक ली और इस संबंध में दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उन सभी क्षेत्रों को, जहां रेत खनिज उपलब्ध है, लेकिन अब तक खदान के रूप में घोषित नहीं किया गया है, 15 जुलाई 2024 तक खदान घोषित किया जाए। प्रमुख सचिव श्रीवास्तव द्वारा स्पष्ट किया गया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अवैध उत्खनन / परिवहन पर नियंत्रण के निर्देश दिए हैं। बैठक में खनिज साधन विभाग के 24 मई 2024 के परिपत्र के अनुसार, कलेक्टरों को अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी रोकथाम के निर्देश एवं मार्गदर्शन भी दिया गया।

प्रदेश में लोकसभा चुनाव में मिली बड़ी हार के बाद पीसीसी चीफ जीतू पटवारी सख्त

एक माह में बनेगी कांग्रेस की नई टीम, उपचुनाव के लिए तैयारी शुरू

भोपाल। मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव में मिली बड़ी हार के बाद कांग्रेस पूरी तरह बदलाव के मूड में आ गई। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी चुनाव में मिली हार की जिम्मेदारी लेते हुए अब अपनी नई टीम बनाने की तैयारी में जुट गए हैं। सोमवार को पीसीसी में बैठकों का दौर चला। प्रदेश कांग्रेस और युवा कांग्रेस की अलग-अलग बैठकें चलीं। बैठक से पहले जीतू पटवारी ने कहा कि एक महीने में उनकी नई टीम सामने आ जाएगी। अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव के तारीख के ऐलान के मामले में उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इसके लिए तैयारी पूरी कर ली है। तय समय पर प्रत्याशी चयन का काम पूरा कर लेंगे।

जीतू पटवारी ने कहा है कि मध्य प्रदेश में सरकार कर्ज लेने की स्थिति में नियंत्रण नहीं कर पा रही और न ही क्राइम कंट्रोल में आ पा रहा है। करप्शन के मामले में भी बहुत ही खराब स्थिति है और कार्रवाई नहीं हो रही है। प्रदेश में तीन सी वाली सरकार चल रही है। यह तीन सी कर्ज, क्राइम और करप्शन के रूप में है। डॉ. मोहन यादव की सरकार इसी में जुटी है। पटवारी ने साढ़े पांच करोड़ पौधे रोपे जाने की तैयारी को लेकर कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा सबका दायित्व है। पौधे करप्शन करने के लिए लगाएं तो यह गलत है। पिछली बार साढ़े छह करोड़ पौधे शिवराज सरकार ने अरबों रुपए कर्ज लेकर लगाए थे। आज एक भी पौधा नहीं है। पौधे अगर करप्शन करने के लिए लगाए जाने हैं तो यही कहूंगा कि ऐसे पौधे नहीं लगाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि अल्टीमेटली यह सरकार दलालों की सरकार है।

विधानसभा में सरकार को घेरेंगे कांग्रेसी विधायक पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा है कि भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर कांग्रेस के विधायक विधानसभा में सरकार को आईना दिखाने का काम करेंगे। इस सत्र में कांग्रेस जमकर विरोध करेगी। सागर में अहिरवार परिवार के यहां हुई हत्या के मामले में कांग्रेस विधानसभा सत्र के दौरान विरोध करेगी। हाल ही में दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह ने पटवारी को लेकर सवाल खड़े किए थे। लक्ष्मण सिंह द्वारा कांग्रेस छोड़ने वालों को नहीं रोकने के मामले में पटवारी ने कहा कि उनकी समझाइश ऐसे है, जैसे पिता अपने पुत्र को, बड़ा भाई छोटे भाई को कहता है कि अपने पैरों पर खड़े हो जाओ। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए जो भरसक प्रयास किए जाने हैं, वे किए जाएंगे। 29 लोकसभा सीट हारने के बाद सवाल नहीं होते हैं। सिर्फ काम दिखाई देना चाहिए और इसीलिए महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस समेत अन्य की बैठकें ले रहे हैं।

सागर को घटना में प्रशासन हत्यारों से मिला है सागर जिले में हुई आपराधिक घटना के मामले पीसीसी चीफ ने कहा है कि कांग्रेस ने एक कमेटी का गठन किया था। जिसकी रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि प्रशासन हत्यारों से मिला है। मुख्यमंत्री सागर गए भी थे, लेकिन वहां जिनका विरोध हो रहा था उन्हें ही लेकर गए थे। इस मामले को विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस पूरी ताकत से उठाएगी। पटवारी ने कहा कि आज युवा कांग्रेस की बैठक में लोकसभा चुनाव में हुई हार के कारणों की समीक्षा करेंगे। इसके बाद जिम्मेदारियां को लेकर टीम मजबूत करने का काम करेंगे। लोकसभा चुनाव में मिली हार मामले में समीक्षा करेंगे और उसे पर एक्शन भी लेंगे।

इंदौर से भोपाल जा रही चार्टर्ड बस और ट्राले में हुई टक्कर, बस ड्राइवर घायल

भोपाल। इंदौर से भोपाल जा रही चार्टर्ड बस की बीती रात एक ट्राले से टक्कर हो गई। ओवरटेक करते समय ट्राला बस से जा भिड़ा, जिससे बस ड्राइवर को गंभीर चोट आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। रात्रि करीब 12:30 बजे चार्टर्ड बस इंदौर से भोपाल जा रही थी। चिरायु अस्पताल के निकट एक ट्राले ने बस को जोरदार टक्कर मार दी। उस समय बस तेज गति से जा रही थी। अचानक टक्कर लगने से बस का संतुलन बिगड़ गया। चार्टर्ड बस के ड्राइवर ने ब्रेक लगाकर बस को रोक दिया ड्राइवर आशीष शुक्ला को पेर में चोट आई है। खजूरी थाना पुलिस के अनुसार दुर्घटना के बाद ट्राला चालक ट्राला छोड़कर भाग निकला। सूचना मिलने पर एंबुलेंस मौके पर पहुंची और ड्राइवर आशीष को इलाज के लिए चिरायु अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी स्थिति खतरे से बाहर है। खजूरी थाना पुलिस के अनुसार आशीष के पैरों में चोट आई है। आशीष के पर बस में फंस गए थे उसे राहगीरों व यात्रियों की मदद से बाहर निकल गया। दुर्घटना के बाद बस को रोक दिया गया किसी भी सवारी को चोट नहीं आई है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पहली बार चंबल नदी के पानी की होगी जांच

क्या खूबियां और क्या कमियां, इसका लगाएंगे पता

भोपाल। चंबल नदी मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि उत्तर भारत की सबसे स्वच्छ नदियों में शुमार है। लेकिन चंबल का पानी कितना स्वच्छ है, यह इंसानों के पीने लायक है भी या नहीं? चंबल के पानी में क्या खूबियां और क्या कमियां हैं? यह तकनीकी तौर पर किसी को नहीं पता। यह पता लगाने के लिए पहली बार चंबल के पानी की जांच होगी।

राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल सेंक्चुरी और भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) अगले महीने से यह जांच शुरू करने वाले हैं। इसके लिए अत्याधुनिक यंत्र व मशीनें लाई जा रही हैं। चंबल नदी के पानी की जांच के नाम पर राजघाट क्षेत्र में कभी-कभी पानी के सैंपल लेकर जांच होती रही है। लेकिन राष्ट्रीय घड़ियाल सेंक्चुरी की जद में आने वाले चंबल नदी के 495 किलोमीटर के हिस्से (श्योपुर से लेकर उप्र के पचनदा तक) के पानी की गुणवत्ता जांच पहली बार होने जा रही है।

इसके लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान के रिसर्चर एवं विशेषज्ञ तीन दिन पहले चंबल घड़ियाल सेंक्चुरी के अफसरों से मिले हैं। पानी की जांच की प्लानिंग पर काम शुरू हो गया है और जून महीने के पहले सप्ताह से यह काम शुरू हो जाएगा। सेंक्चुरी प्रशासन के अनुसार, 12 से 15 दिन तक सैंपल लेने और साथ ही साथ पानी की जांच का काम चलेगा। जांच परिणाम आने के बाद चंबल के पानी में पाई जाने वाली कमियों को दूर कर नदी को स्वच्छ बनाने के काम शुरू होंगे। चंबल का पानी आगामी साल में मुरैना, ग्वालियर में पेयजल सप्लाई में मिलेगा। इसलिए भी यह जांच बेहद अहम है।

चंबल नदी के किनारों पर पानी में कई प्रजाति के छोटे-छोटे वनस्पति पौधे 12 महीने हरे-भरे रहते हैं। इन वनस्पति पौधों से पानी की गुणवत्ता पर क्या असर हो रहा, इसका पता लगाने के लिए प्लेंकन जांच होगी। इन तीन चरणों की जांच में परखा जाएगा। चंबल का जल चंबल के पानी में ऑक्सीजन की मात्रा तलहटी से लेकर ऊपर तल पर कितनी है, यह पता लगाने के लिए डिजाल्व ऑक्सीजन जांच होगी।

स्वच्छ पेयजल में कैल्शियम, मैग्नीशियम, सल्फर जैसे मिनरल्स पाए जाते हैं। चंबल के पानी में कौन-कौन से मिनरल्स कितनी मात्रा में मौजूद हैं, इसकी भी जांच होगी। वैसे तो चंबल के पानी की जांच यदा-कदा होती रही है। साल 2012 और फिर साल 2013 में चंबल घड़ियाल सेंक्चुरी ने पानी की जांच करवाई थी, जो केवल राजघाट और चंबल नदी पर बने रेलवे पुल के आसपास के पानी की हुई थी।

साल 2012 में चंबल के पानी में ऑक्सीजन की मात्रा सात फीसदी थी, जो साल 2013 की जांच में घटकर 3.4 फीसदी रह गई थी। इसके अलावा पानी में अपशिष्टों की जांच हुई थी, जिसमें साल 2012 में 249 मिलीग्राम प्रति लीटर बताई गई और 2013 में यह बढ़कर 374 मिलीग्राम तक पहुंच गई थी। पेयजल में अपशिष्ट की मात्रा शून्य होनी चाहिए, इस हिसाब से पूर्व में हुई जांच में चंबल के पानी को पीने योग्य नहीं माना गया। लेकिन यह जांच बेहद छोटे स्तर पर हुई थी, पहली बार चंबल घड़ियाल सेंक्चुरी क्षेत्र के पूरे पानी की जांच हो रही है।

साम्पदकीय

इस बार संसद में कौन शांत कराएगा सांसदों का हंगामा?

लोकसभा स्पीकर के पद को एक पेचीदा पद माना जाता है। सदन को चलाने वाले व्यक्ति के रूप में, अध्यक्ष का पद निस्पक्ष माना जाता है। लेकिन इस पद पर बैठने वाले व्यक्ति किसी विशेष पार्टी से ही चुनाव जीतकर संसद में आते हैं। इससे टकराव होने की संभावनाएं स्वभाविक है।

नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद कार्यभार संभाल लिया है। नतीजे आने के चार दिन बाद रविवार को 72 मंत्रियों के पूर्ण मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। हालांकि, एक महत्वपूर्ण सवाल अब भी बना हुआ है – लोकसभा स्पीकर का पद किसे मिलेगा? कई रिपोर्टों में दावा किया गया है कि इस चुनाव में किंगमेकर के रूप में उभरी टीडीपी और जेडीयू दोनों ही इस अहम पद पर नजर गड़ाए हुए हैं। लेकिन भाजपा से जुड़े सूत्रों की माने तो पार्टी इसे सौंपना नहीं चाहती है। संविधान के अनुसार, नई लोकसभा के पहली बार बैठक से ठीक पहले अध्यक्ष का पद खाली हो जाता है। राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त प्रोटेम स्पीकर नए सांसदों को पद की शपथ दिलाता है। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव साधारण बहुमत से होता है। वैसे तो लोकसभा अध्यक्ष के रूप में चुने जाने के लिए कोई विशेष पैमाना नहीं है, लेकिन इसके लिए संविधान और संसदीय नियमों की समझ होना जरूरी है। पिछली दो लोकसभाओं में बीजेपी को स्पष्ट बहुमत मिला था और पार्टी ने सुमित्रा महाजन और ओम बिरला को यह जिम्मेदारी दी थी।

लोकसभा स्पीकर एक संवैधानिक पद है। लोकसभा स्पीकर का पद काफी खास होता है। संसद में इनकी भूमिका निर्णायक होती है। एन चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार अध्यक्ष का पद 'बीमा'के रूप में चाहते हैं। पिछले कुछ सालों में, सत्तारूढ़ पार्टियों के भीतर आपसी मतभेद के कई मामले सामने आए हैं, जिसके कारण पार्टियों में फूट पड़ गई और यहां तक कि सरकारें भी गिर गईं। ऐसे मामलों में, दल-बदल विरोधी कानून लागू होता है। यह कानून सदन के अध्यक्ष को बहुत शक्तियां देता है। कानून के अनुसार, सदन के अध्यक्ष के पास दल-बदल के आधार पर सदस्यों की अयोग्यता से संबंधित मामलों को तय करने का पूर्ण अधिकार है। दरअसल, नीतीश कुमार ने पहले भी बीजेपी पर अपनी पार्टी को तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। इसलिए, वे किसी बगावत के मूड में नहीं आना चाहते हैं और स्पीकर का पद ऐसी किसी भी चाल के खिलाफ ढाल के तौर पर चाहते हैं।

लोकसभा स्पीकर के पद को एक पेचीदा पद माना जाता है। सदन को चलाने वाले व्यक्ति के रूप में, अध्यक्ष का पद निस्पक्ष माना जाता है। लेकिन इस पद पर बैठने वाले व्यक्ति किसी विशेष पार्टी से ही चुनाव जीतकर संसद में आते हैं। इससे टकराव होने की संभावनाएं स्वभाविक है। पूर्व के कुछ दिलचस्प उदाहरणों की बात करे तो कांग्रेस के दिग्गज नेता एन संजीव रेड्डी ने चौथी लोकसभा के अध्यक्ष चुने जाने के बाद कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। पीए संगमा, सोमनाथ चटर्जी और मीरा कुमार जैसे अन्य लोगों ने औपचारिक रूप से पार्टी से इस्तीफा नहीं दिया, लेकिन उन्होंने पुष्टि की कि वे पूरे सदन के हैं, किसी पार्टी के नहीं। इतना ही नहीं, 2008 में यूपीए सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के दौरान निस्पक्षता दिखाने की वजह से सीपीएम ने सोमनाथ चटर्जी को निष्कासित कर दिया था।

साल 1998 की लोकसभा चुनावों में किसी भी पार्टी को जनता ने पूर्ण बहुमत नहीं दिया था। भाजपा 182 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी। अटल बिहारी वाजपेयी को केंद्र में अपनी सरकार बनाने के लिए टीडीपी से बाहरी समर्थन मिला तो फिर सत्ता में एनडीए सरकार आ गई। फिर जब जयललिता की एआईएडीएमके ने अटल सरकार से अपना समर्थन वापस लिया तो सरकार अल्पमत में आ गई। उस समय स्पीकर टीडीपी के थे और टीडीपी ने जीएमसी बालयोगी को लोकसभा स्पीकर बनाया था। फ्लोर टेस्ट हुआ पक्ष में 269 वोट गिरे जबकि विपक्ष में भी 269 वोट गिरे थे, फिर स्पीकर ने कांग्रेस सांसद गिरधर गमांग को वोट डालने की अनुमति दी थी। फिर 1 महज 1 वोट से अटल जी की सरकार गिर गई। बता दें कि उस समय गिरधर बिना इस्तीफा दिए ओडिशा के सीएम बन गए थे, और वोटिंग के दिन वे सदन में मौजूद थे। ऐसे में विवेक के आधार पर लोकसभा स्पीकर ने उनको वोट डालने की परमिशन दी थी। हालांकि तत्कालीन लोकसभा स्पीकर चाहते तो गिरधर गमांग को वोट डालने से रोक भी सकते थे। तो यह होती है स्पीकर की पावर, जिसकी वजह से टीडीपी,जेडीयू और बीजेपी अपना-अपना स्पीकर बनाना चाहती हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि बीजेपी सांसद ओम बिरला को फिर से लोकसभा अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिल सकती है। क्योंकि उन्हें नरेंद्र मोदी के नए मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है। पहले चर्चा थी कि ओम बिरला को इस बार मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हालांकि, कुछ लोग नए नामों पर भी चर्चा कर रहे हैं। राजनीति के जानकार दावा करते हैं कि टीडीपी और जेडीयू इस चुनाव में किंगमेकर के रूप में उभरे हैं, इसलिए बड़े पदों पर इनकी नजर बनी हुई है, जिसमें एक लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी भी है।

जटाधारी स्वरूप में सजे बाबा महाकाल भस्म आरती में भक्तों को दिए दर्शन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर मंगलवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर, पंचामृत और फलों के रस से किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को नवीन मुकुट, मुंड माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि पंचमी तिथि और मंगलवार के संयोग पर भस्मआरती में बाबा महाकाल के मस्तक पर त्रिपुंड और चन्द्र से जटाधारी स्वरूप में श्रृंगार किया गया, जिसे सभी श्रद्धालु देखते ही रह गए। महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर में जय भोले बाबा की गूंज से गुंजायमान हो गया। श्री महाकालेश्वर मंदिर में भक्त दिलीप सत्यनारायण सोनी द्वारा भगवान श्री महाकालेश्वर को मंदिर के पुरोहित नवनीत शर्मा और रूपम शर्मा की प्रेरणा से 1 नग चांदी का मुकुट मय कुंडल भेंट किए गए। जिनका कुल वजन 3102 ग्राम है। जिसे श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के सहायक प्रशासक प्रतीक द्विवेदी व प्रभारी अधिकारी दर्शन व्यवस्था राकेश श्रीवास्तव द्वारा प्राप्त पर दानदाता का सम्मान कर रसीद प्रदान की गई। यह जानकारी मंदिर प्रबंध समिति के कोठार शाखा के कोठारी मनीष पांचाल द्वारा दी गई।

... तो मतदाता इतने ताकतवर हो सकते हैं?

मतदाता इतने ताकतवर हो सकते हैं, यह तुर्किये के नेता रिजेब तैयप एर्दोआन, विश्व में बहुचर्चित नेता भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, दक्षिण अफ्रीका के अजेय रहे राष्ट्रपति माटामेला सिरिज राम्फोसा ने भी नहीं सोचा था। दक्षिण अफ्रीका के सबसे अमीर लोगों में से एक माने जाने वाले राम्फोसा ने इसकी कल्पना नहीं की थी कि उनकी लीडरशिप में एएनसी अल्पमत में आ जाएगी।

दुनिया की आधी आबादी, जिसमें लगभग 4 अरब लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले 60 से अधिक देश हैं, 2024 में राष्ट्रपति, संसदीय और स्थानीय चुनावों में हिस्सा ले रहे हैं। भारत के बाद, 27 देशों के ब्लॉक यूरोपीय संघ में मतदान आरंभ हो चुका है। पहले यूरोप की चुनावी प्रक्रिया को हमारे यहां का मतदाता देखता था, इस बार भारत यूरोपीय वोटरों के लिए उदाहरण बना हुआ है। मेक्सिको से भारत तक, रूस से दक्षिण अफ्रीका तक, वेनेजुएला से सूडान तक, आधे से अधिक देश चुनाव करा चुके। दुनिया के 10 सबसे अधिक आबादी वाले देशों में से सात बांग्लादेश, भारत, इंडोनेशिया, मैक्सिको, पाकिस्तान और रूस में चुनाव हो चुके। बड़ी आबादी वाले ब्राजील में 5 हजार 568 पालिकाओं के लिए 27 अक्टूबर 2024 को मतदान होगा, जो दो साल बाद आम चुनाव में मतदाताओं की दिशा निर्धारित करेगा। उधर अमेरिका 5 नवंबर 2024 को राष्ट्रपति चुनाव कराने के लिए तैयार है।

भारत के सात चरणों में चले संसदीय चुनाव को दुनिया में सबसे बड़े मतदान की प्रक्रिया के रूप में देखा गया। उसके बरक्स इंडोनेशिया में 14 फरवरी 2024 को एक दिन में ही आठ लाख पोलिंग स्टेशनों में 20 करोड़ लोगों ने मतदान कर दिया। इंडोनेशियाई संविधान के मुताबिक, जोको विडोडो तीसरी बार राष्ट्रपति पद के लिए लड़ नहीं सकते थे, इसलिए जनरल प्रावोओ सुविआंतो निर्वाचित हुए। इंडोनेशिया में सेना वाली पृष्ठभूमि के ये तीसरे राष्ट्रपति हैं।

मात्र 21 लाख की आबादी वाले बाल्कन के छोटे से मुल्क नार्थ मेसेडोनिया में भी 8 मई 2024 को संसदीय चुनाव हुए। यहां यूरोपीय संघ में एकीकरण की धीमी गति, और भ्रष्टाचार मुख्य मुद्दे थे। भारत की तरह मतदाताओं ने उत्तरी मेसेडोनिया में बहुमत वाली सरकार का जनादेश नहीं दिया है। राष्ट्रवादी वीएमआरओ-डीपीएमएनई पार्टी के नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी विपक्षी गठबंधन ने 58 सीटें हासिल कर चुनाव तो जीत लिया, लेकिन यह पूर्ण बहुमत से तीन कम थे।

एक कहावत है, चाची को मूंछ चिपकाने से चाचा नहीं हो जाती। कुछ इसी तरह की कवायद तुर्किये में राष्ट्रपति रिजेब तैयप एर्दोआन कर रहे हैं। साल 1930 में (देशभर में 1934 में) महिलाओं को तुर्की में पूर्ण राजनीतिक भागीदारी का अधिकार मिला, जिसमें वोट देने का अधिकार और स्थानीय स्तर पर कार्यालय चलाने का अधिकार भी शामिल था। नौ दशक बाद भी कुछ बड़ा बदलाव नहीं दिखा। पिछले साल मई में राष्ट्रपति चुनाव के साथ-साथ हुए संसदीय चुनावों में महिला सांसदों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, लेकिन यह कम है। कुल 600 सदस्यों वाली संसद में से केवल 121 सांसद महिला हैं, इनमें पचास सत्तारूढ़ एकेपी से और चार उसकी राष्ट्रीय सहयोगी, एमएचपी से आई थीं। आनुपातिक रूप से, ग्रीन लेफ्ट पार्टी में किसी भी पार्टी की तुलना में सबसे अधिक महिला प्रतिनिधित्व हैं, जिसमें 58 में से 30 महिला विधायक हैं। नई संसद में सीएचपी, गुड पार्टी और टीआईपी की क्रमशः 30, छह और एक महिला सांसद हैं। 2024 के स्थानीय चुनाव में 11 महिला मेयरों में से दस विपक्षी दलों से थीं, उन्हें औसतन लगभग 53 प्रतिशत वोट मिले। इस्तांबुल, अंकारा, इजमिर, अदाना और अंताल्या सहित तुर्किये के 922 जिलों में से 64 में महिलाओं ने जीत हासिल की, जिनमें से अधिकांश सीएचपी से थीं। हालांकि, 90 साल से सियासत में महिलाओं की भागीदारी के बाद भी, तुर्की की राजनीति में अब भी पुरुषों का वर्चस्व है। राष्ट्रीय राजनीति में महिलाओं का कम प्रतिनिधित्व तुर्किये के लिए कोई अनोखी स्थिति नहीं है, क्योंकि इसी तरह की चुनौतियां विश्व स्तर पर बनी हुई हैं। अध्ययन के अनुसार, केवल पांच देशों में आधे या अधिक सांसद महिलाएं हैं। साल 2019 में भारतीय लोकसभा के लिए 78 महिलाएं चुनी गई थीं। वहीं 2024 के संसदीय चुनाव में भारत में केवल 74 महिलाएं चुनी जा सकी हैं, यह तुर्की की महिला राजनीति से मेल खाती है।

इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट के अनुसार, साल 2024 में कुछ ऐसे चुनाव भी शामिल होंगे, जो आइसलैंड के राष्ट्रपति चुनाव की तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष होंगे, और कुछ देश लोकतांत्रिक रूप से होने वाले चुनाव नकार भी सकते हैं। लगभग ऐसा ही हुआ। दो उदाहरण दरपेश है। रूस में बीते दिनों 15 से 17 मार्च, 2024 तक राष्ट्रपति चुनाव हुए। यह देश में आठवां राष्ट्रपति चुनाव था। व्लादिमीर पुतिन ने 88 प्रतिशत वोट के साथ जीत हासिल की, जो सोवियत रूस के बाद के राष्ट्रपति चुनाव में सबसे अधिक प्रतिशत था। इसे तानाशाही के तौर पर निरूपित किया जा रहा है।

दूसरा उदाहरण, उत्तर कोरिया है। मार्च या अप्रैल, 2024 में उत्तर कोरिया में संसदीय चुनाव होने की उम्मीद थी। खबर आई कि तानाशाह किम जोंग उन द्वारा उसे खारिज कर दिया गया। उन्हें संविधान में सबसे पहले बदलाव करना था, जो उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया से एक अलग देश के रूप में परिभाषित करता। दूसरी ओर दक्षिण कोरिया में 10 अप्रैल, 2024 को आम चुनाव संपन्न हुए, और डेमोक्रेटिक पार्टी (डीपी) ने देश की संसद में अधिकांश सीटें जीतीं। दक्षिण कोरिया में दो मुख्य राजनीतिक दल हैं, डीपी और पीपुल पॉवर पार्टी (पीपीपी)। डीपी प्रगतिशील है, और पीपीपी रूढ़िवादी। मार्च के अंत तक, पीपीपी आगे चल रही थी, लेकिन अंतिम समय में मतदाताओं ने रूढ़िवादी नेताओं को झटका दे दिया।

वहीं एक जून 2024 को नार्डिक देश आइसलैंड में बिजनेस वुमेन, हाला थॉमसदोतिर 34.6 प्रतिशत मतों से निर्वाचित हुई हैं। हाला मुल्क की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं। इनसे पहले 1980 में विगदिस फिन्नवोगादोरिस पहली महिला राष्ट्रपति चुनी गई थीं।

भारत के बाद यूरोपीय संघ, ब्रिटेन व अमेरिका के चुनाव परिणाम पूरी दुनिया के सूरतेहाल में अहम रोल अदा करेंगे, यह बात इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट के रणनीतिकार भी स्वीकारते हैं। कह सकते हैं कि साल 2024 चुनाव में हिस्सेदार बहुतेरे मतदाताओं ने अपने जीवन के कुछ साल किसी न किसी रूप में निरंकुशता के माहौल में बिताए हैं, जिनमें इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका और मैक्सिको जैसे देश शामिल हैं। अवर वर्ल्ड इन डेटा के अनुसार, 1990 के दशक तक ऐसा नहीं था। अधिकांश देश आज के निरंकुश शासन की तुलना में किसी न किसी प्रकार लोकतांत्रिक थे।

मतदाता इतने ताकतवर हो सकते हैं, यह तुर्किये के नेता रिजेब तैयप एर्दोआन, विश्व में बहुचर्चित नेता भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, दक्षिण अफ्रीका के अजेय रहे राष्ट्रपति माटामेला सिरिज राम्फोसा ने भी नहीं सोचा था। दक्षिण अफ्रीका के सबसे अमीर लोगों में से एक माने जाने वाले राम्फोसा ने इसकी कल्पना नहीं की थी कि उनकी लीडरशिप में एएनसी अल्पमत में आ जाएगी। पिछले हफ्ते चुनाव में शर्मनाक हार के बाद, दक्षिण अफ्रीका की सत्तारूढ़ अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस (एएनसी) इसी नतीजे पर पहुंची कि राजनीतिक विरोधियों के साथ गठबंधन सरकार ही एकमात्र विकल्प है। इस बारे में बंद कमरे में बातचीत शुरू कर दी है। बीते रविवार को, चुनाव आयोग (आईईसी) ने घोषणा की, कि दक्षिण अफ्रीका में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष थे, लेकिन किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। पार्टियों के पास राष्ट्रपति चुनने के लिए दो सप्ताह की समय सीमा है। विश्लेषकों का कहना है कि एएनसी को गठबंधन सरकार के लिए सहयोगी दलों की कई मांगों को स्वीकार करना होगा, जो उनके लिए अतीत में असहज था।

एएनसी ने पिछले शनिवार को अपने राष्ट्रीय नेताओं के साथ एक बैठक की, जिसमें गठबंधन में बदलाव और राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने की संभावना पर चर्चा की। ऐसी व्यवस्था पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला के युग की याद दिलाती है, जिन्होंने 1994 से 1997 तक राष्ट्रीय एकता सरकार का नेतृत्व किया था। उस कालखंड में नेल्सन मंडेला राष्ट्रपति थे, और अंतिम रंगभेदी प्रधानमंत्री एफडब्ल्यू डी क्लार्क उनके उप-राष्ट्रपति बने। इंकथा फ्रीडम पार्टी (आईएफपी) के नेता कैबिनेट का हिस्सा थे। अब 27 साल बाद कुछ ऐसी ही परिस्थितियां पैदा हो गईं, जिसके लिए यदि ठीक से देखा जाए, तो दक्षिण अफ्रीका के मतदाता जिम्मेदार हैं।

मतदाताओं की ताकत को और समझना हो, तो मैक्सिको का आम चुनाव भी एक उदाहरण है। मैक्सिको में राष्ट्रपति केवल एक टर्म के लिए चुना जाता है, लेकिन किसी ने कल्पना नहीं की थी कि एक महिला, वो भी यहूदी मूल की, इस देश में इतिहास रचने जा रही है। गत 2 जून 2024 के आम चुनाव में मैक्सिको के मतदाताओं ने क्लाउडिया शीनबाम को रिकॉर्ड वोट दिये। साल 2018 के चुनाव में क्लाउडिया के मेंटर आंद्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर को 30.1 मिलियन वोट मिले थे, उस रिकॉर्ड को भी उन्होंने पीछे छोड़ दिया था। मेक्सिको के इतिहास में यह पहला आम चुनाव था जिसमें राष्ट्रपति पद के लिए दो महिलाएं मुख्य दावेदार थीं। दक्षिणपंथी सहयोग के बावजूद जोचिटल गैलवेज, वामपंथी पार्टी मुरैना की सदस्य क्लाउडिया शीनबाम के आगे टिक नहीं पाईं।

सियासतः पिता के बाद अब बेटे की बारी; अखिलेश के सामने बढ़त को बरकरार रखने की चुनौती

देश के सबसे अधिक आबादी वाले और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश से लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी (सपा) ने अविश्वसनीय छलांग लगाई है। पिछली बार पांच सीटें जीतने वाली पार्टी इस बार पांच गुना से ज्यादा 37 तक पहुंच गई है। यह इस पार्टी का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। सपा ने 2004 में अनुभवी नेता मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में 35 सीटें जीती थीं। अपने पिता के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ना अखिलेश के लिए व्यक्तिगत?बड़ी सफलता है, जिनकी अक्सर राजनीतिक सूझबूझ और संगठनात्मक कौशल की कमी के लिए आलोचना की जाती रही है। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में लगभग खत्म हो चुकी कांग्रेस के साथ गठबंधन कर अपना मतदान प्रतिशत 33.59 तक पहुंचा दिया और 2019 के चुनाव में 62 सीटें हासिल करने वाली भारतीय जनता पार्टी (33 सीट) को दूसरे स्थान पर खिसका दिया। हालांकि अतीत में 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा के साथ गठबंधन करने का समाजवादी पार्टी का

अनुभव अच्छा नहीं रहा था, फिर भी अखिलेश ने राहुल गांधी और 'इंडिया' गठबंधन के साथ जाकर चुनाव लड़ने का फैसला किया। अखिलेश शुरुआत में हिचकिचा रहे थे, लेकिन जमीन स्तर पर चर्चा करने के बाद उन्होंने कांग्रेस के साथ गठबंधन करने का मन बनाया। अखिलेश का पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) मुद्दा, विशेषकर पूर्वी उत्तर प्रदेश में काम कर गया। जहां गैर-यादव पिछड़ी जातियां, दलित और मुस्लिम मतदाताओं का महत्वपूर्ण गठजोड़ बनता है। यादव मतदाताओं की निष्ठा के प्रति आश्वस्त और यह जानते हुए कि मुसलमानों के पास समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन को वोट देने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं होगा, उन्होंने गैर-यादव पिछड़ी और दलित जातियों के लिए अपना रास्ता ही बदल लिया। यद्यपि यादवों और मुस्लिमों की पार्टी का ठप्पा लगा होने के बावजूद समाजवादी पार्टी ने सिर्फ चार मुस्लिम और पांच यादव प्रत्याशियों को टिकट दिया, जबकि अन्य पिछड़ी जातियों, जैसे कि निषाद और कुर्मियों के साथ-साथ दलितों को 27 टिकट दिए। महत्वपूर्ण तो यह है कि दलितों को न केवल आरक्षित सीटों पर, बल्कि फैजावाद जैसी सामान्य श्रेणी की सीट पर टिकट दिया, जहां अयोध्या में राममंदिर है, वहां समाजवादी पार्टी के अनुभवी दलित नेता अवधेश प्रसाद ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पश्चिमी उत्तर प्रदेश में करीबी सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल के नेता जयंत चौधरी के भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने से अखिलेश को तगड़ा झटका लगा था, लेकिन वह इससे घबराए नहीं, इसके लिए उनकी तारीफ की जानी चाहिए। इस चुनाव में अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी का उत्थान हुआ है, तो यह मायावती और बहुजन समाज पार्टी का शायद अंतिम राजनीतिक पतन है, जिन्होंने डेढ़ दशक पहले भारत के राजनीतिक परिदृश्य को बदलने का वादा किया था। बहनजी की पार्टी का वोट प्रतिशत एकल अंक (9.39 फीसदी) में आ गया है, जो 2014 के लोकसभा चुनाव में उसके प्रदर्शन से भी ज्यादा निराशाजनक है। 2014 में भी बसपा कोई सीट नहीं जीत सकी थी, लेकिन उसे 20 फीसदी वोट मिले थे। बहनजी के लिए सबसे अधिक अपमानजनक तो नगीना लोकसभा क्षेत्र से उनके प्रतिद्वंद्वी दलित नेता और भीम आर्मी के नेता चंद्रशेखर आजाद की जीत रही। चंद्रशेखर ने आश्चर्यजनक रूप से डेढ़ लाख से ज्यादा मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी। हालांकि, अब यह देखना दिलचस्प होगा कि उत्तर प्रदेश में मायावती और बसपा द्वारा रिक्त किए गए राजनीतिक स्थान पर चंद्रशेखर आजाद कब्जा कर पाते हैं या नहीं। निश्चित रूप से राज्य की राजनीति में आजाद का भविष्य है, जबकि मायावती अब बीता हुआ कल हैं। जहां तक सपा?की बात है, तो वह भाजपा और कांग्रेस के बाद तीसरी बड़ी पार्टी बन गई है। यह सफलता अखिलेश के लिए अवसर लेकर आई है, तो चुनौतियां भी साथ में हैं, क्योंकि देश में फिर से गठबंधन के राजनीतिक युग की वापसी हुई है। उनके पिता राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन की राजनीति से अधिकतम लाभ उठाने में माहिर थे। अब बेटे की बारी है।

जब फूल के सामने घुटनों पर बैठ गए थे बिग बी!

निताशी ने साझा किया बिग बी के साथ काम करने का अनुभव

किरण राव के निर्देशन में बनी फिल्म लापता लेडीज की फूल कुमारी ने अपनी मासूमियत से दर्शकों का दिल लूट लिया। यह किरदार अभिनेत्री निताशी गोयल ने अदा किया है। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के नोएडा की रहने वाली निताशी ने इस फिल्म से दर्शकों के बड़े वर्ग में पहचान स्थापित की है। यह उनके करियर के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुई है। लेकिन, पर्दे पर उनका करिश्मा पहली बार नहीं दिखा है।

विज्ञापन फिल्म में कर चुकी हैं काम

निताशी गोयल एक विज्ञापन में मेगास्टार अमिताभ बचन के साथ भी स्क्रीन साझा कर चुकी हैं। हाल ही में निताशी ने बिग बी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि किस तरह अमिताभ बचन उनके साथ अपनी लाइन्स की रिहर्सल किया करते थे। निताशी गोयल ने खुलासा किया कि उन्हें एक प्रोजेक्ट में अमिताभ बचन के साथ काम करने का अनुभव मिल चुका है।

बिग बी ने पास आकर की ये बात

निताशी ने याद किया कि उस प्रोजेक्ट पर काम करते हुए मेगास्टार सभी बाल कलाकारों के साथ बड़े ही सब्र के साथ अपने डायलॉग की प्रैक्टिस किया करते थे। निताशी ने बताया, जब मैं पहली बार मुंबई आई थी तो मेरी पहली एड फिल्म जो भी, उसमें मुझे अमिताभ बचन सर के साथ काम करने का मौका मिला। उसमें कुछ और भी बचे थे। लेकिन, उसी में एक सीक्वेंस ऐसा था, जिसमें मैं और अमिताभ बचन ही थे। वे मेरे पास आए और कहा, चलो हम लाइन्स की रिहर्सल करते हैं।

बोलीं- अपने दादाजी और नानाजी जैसे लगे

निताशी ने आगे कहा कि रिहर्सल करने के दौरान वे अपने घुटनों पर बैठ गए और मेरे साथ लाइन्स पढ़ने लगे। वे बहुत यादा विनम्र स्वभाव के हैं। निताशी गोयल ने यह भी बताया कि उन्हें एक कुर्सी पर बैठाया गया, जिससे सीनियर बचन उनकी हाइट से मेल खा सकें। निताशी ने कहा, शूटिंग के बाद उन्होंने सभी बचों के साथ फोटो क्लिक कराई। फिर हर बचे के साथ सेल्फी ली। वो हमें अपने दादाजी और नानाजी जैसे लग रहे थे। बता दें कि लापता लेडीज से पहले निताशी, विकी डोनर, एम एस धोनी, इंदु सरकार और कई अन्य फिल्मों में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम कर चुकी हैं।

गोविंदा ने बेटे के साथ किया डांस, कुली नंबर 1 के गाने गोरिया चुराना पर जमकर थिरके हीरो नंबर वन

1980 के दशक में एक्शन और डांसिंग हीरो के तौर पर शुरुआत करने वाले गोविंदा की पहली फिल्म 1986 में लव 86 थी, जो सुपरहिट साबित हुई थी। इस फिल्म के बाद गोविंदा ने कई सुपरहिट फिल्में दीं। गोविंद का असली नाम गोविंदा अरुण आहूजा है, लेकिन प्यार से सभी उन्हें सिर्फ गोविंदा के नाम से जानते हैं। एक भारतीय अभिनेता, हास्य अभिनेता, बेहतरीन डांसर, गायक और राजनीतिज्ञ हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार गोविंदा ने 165 से अधिक हिंदी भाषा की फिल्मों में काम किया है। एवरग्रीन गोविंदा अपने डांस के लिए काफी मशहूर हैं। गोविंदा का अपने बेटे और उनके दोस्तों के साथ एक डांस वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

गोविंदा का डांस वीडियो

सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया, जिसमें गोविंदा अपने बेटे और उसके कुछ दोस्तों के साथ फिल्म कुली नंबर 1 के गाने गोरिया चुरा ना मेरा जिया पर डांस करते नजर आ रहे हैं। वीडियो के बैकग्राउंड में कई लोग नजर आ रहे हैं, जो गोविंदा के डांस को कॉपी कर रहे हैं। गोविंदा का यह डांस वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। गोविंदा के इस डांस पर उनके फैंस लगातार कमेंट्स के जरिए जमकर प्यार बसरा रहे हैं। एक फैन ने लिखा, जितनी एनर्जी देती हो, कॉमिक टाइमिंग बहुत रेयर है। उनकी फिल्में देखकर दिल खुश हो जाता है। सच्चा हीरो।

बेटे यशवर्धन ने पिता के साथ किया जमकर डांस

इस वीडियो में आप साफ देख सकते हैं कि हीरो नंबर वन यानी गोविंद अपने बेटे यशवर्धन और उनके दोस्तों को अपने डांस मूव्स दिखाने के साथ सिखा भी रहे हैं। यह वीडियो किसी पार्टी के दौरान का लग रहा है। वहां पर मौजूद सभी लोग गोविंदा के डांस को एंजॉय करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो पर गोविंदा के फैंस लगातार कमेंट कर रहे हैं, साथ ही उनके डांस पर अपनी राय भी साझा कर रहे हैं। बॉलीवुड संगीत पर गोविंदा के डांस मूव्स कमाल करते हैं। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि गोविंदा की ऊर्जा आज भी युवाओं की ऊर्जा को मात दे रही है। उनके बेहतरीन डांस मूव्स फैंस को बेहद पसंद आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार गोविंदा के बेटे यशवर्धन जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं

असम पुलिस की शॉर्ट डाक्यूमेंट्री अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में दिखाई जाएगी, जीता है ये पुरस्कार

असम के पुलिस महानिदेशक जी पी सिंह द्वारा निर्मित शॉर्ट डाक्यूमेंट्री फेहुजाली - द न्यू डॉन को 15 जून से शुरू हो रहे मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में दिखाया जाएगा। इसकी जानकारी फिल्म निर्देशक और महानिरीक्षक पार्थसारथी महंत ने सोमवार को दी। बता दें कि इस डाक्यूमेंट्री ने मार्च में आयोजित हुए सातवें नई दिल्ली फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ शार्ट डाक्यूमेंट्री का पुरस्कार भी जीता है। 19 मिनट की इस डाक्यूमेंट्री में युवाओं को उग्रवाद से दूर रहने, अपने लक्ष्य और धार्मिकता के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया गया है।

उग्रवाद से दूर रहने के लिए जागरूक करती है फिल्म

असम पुलिस महानिदेशक जी पी सिंह ने जानकारी देते हुए कहा, 'हमने देखा है कि कुछ युवा लड़के और लड़कियां विभिन्न हथकंडों का शिकार होकर आतंकवादी संगठनों के शिविरों में शामिल हो जाते हैं। हमने उन लोगों के बीच मोहभंग की सची कहानियों को सार्वजनिक डोमेन में लाने का फैसला किया, जो इस तरह के प्रचार अभियानों का शिकार हुए और आतंकवादी संगठनों में शामिल हो गए।'

चरमपंथियों के जाल में फंसे युवाओं का संघर्ष दिखाती है डाक्यूमेंट्री

निर्देशक ने कहा कि यह डाक्यूमेंट्री राय के युवाओं के लिए एक जागृति का काम करती है, जो चरमपंथी गुटों के जाल में फंसे हाशिए के युवाओं के संघर्षों पर प्रकाश डालती है।

धर्म के मार्ग पर चलने का करती है आग्रह

निर्देशक ने आगे कहा कि यह फिल्म युवाओं के मोहभंग से स्पष्टता की ओर के सफर को दिखाती है। महंत ने जोर देकर कहा कि 21 जून को एमआईएफएफ में 'फेहुजाली' की स्क्रीनिंग न केवल इसकी सिनेमाई बेहतरी को पहचानती है, बल्कि जागरूकता और बदलाव के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के तौर पर इसकी भूमिका को उजागर करती है। सात दिवसीय मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ) शार्ट फिल्मों और एनिमेशन के लिए दक्षिण एशिया का सबसे पुराना और सबसे बड़ा मंच है।

इस दिन से शुरू होगी अनीस बज्मी की नो एंट्री 2 की शूटिंग, दिलजीत-अर्जुन के साथ धमाल मचाएंगे वरुण

अनीस बमी ने साल 2005 में सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान को बोनी कपूर प्रोडक्शन की फिल्म नो एंट्री में निर्देशित किया, जो कॉमेडी शैली में एक कल्ट क्लासिक और साल की सबसे यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई। दो दशकों के बाद नो एंट्री का बहुप्रतीक्षित सीक्वल बनाने की योजना बनाई गई है। वहीं अब इसकी शूटिंग को लेकर बड़ा अपडेट आया है।

अनीस बमी ने साल 2005 में सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान को बोनी कपूर प्रोडक्शन की फिल्म नो एंट्री में निर्देशित किया, जो कॉमेडी शैली में एक कल्ट क्लासिक और साल की सबसे यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई। दो दशकों के बाद नो एंट्री का बहुप्रतीक्षित सीक्वल बनाने की योजना बनाई गई है। वहीं अब इसकी शूटिंग को लेकर बड़ा अपडेट आया है।

अगले साल रिलीज होगी फिल्म

अनीस बमी एक लेखक और निर्देशक के रूप में नो एंट्री 2 पर काम करेंगे। वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ ने फिल्म की स्क्रिप्ट पर सहमति जता दी है और तीनों फिल्म के लिए उत्साहित भी हैं। दावा किया गया है कि नो एंट्री 2 एक जबर्दस्त और कॉमेडी का डोज देने वाली स्क्रिप्ट है, जिसने हर एक व्यक्ति को उत्साहित कर दिया है। इस साल फिल्म की तेजी से शूटिंग होगी और यह 2025 में सिनेमाघरों में धमाल मचाएगी, जो पहले भाग के 20 साल पूरे होने का जश्न भी होगा।

अनिल नहीं होंगे फिल्म का हिस्सा

इससे पहले खबर आई थी कि अनिल कपूर मतभेद के कारण इस फिल्म से बाहर हो गए हैं। फिल्म के निर्देशक अनीस बमी ने खुलासा किया था कि बोनी कपूर और अनिल कपूर के बीच मतभेद चल रहे हैं और अपनी तनाव के चलते वे नो एंट्री 2 का हिस्सा नहीं हैं। अनिल ने सलमान खान और फरदीन खान के साथ मूल फिल्म में अभिनय किया था। इस फिल्म में बिपाशा बसु, ईशा देओल, लारा दत्ता और सेलिना जेटली भी प्रमुख भूमिकाओं में थीं।

मर्डर केस में पुलिस हिरासत में कन्नड़ अभिनेता दर्शन थूगुदीप...की जा रही पूछताछ

कन्नड़ अभिनेता दर्शन थूगुदीप को पुलिस हिरासत में लिया गया है। पश्चिम बेंगलुरु के डीसीपी गिरीश ने कहा है कि अभिनेता दर्शन थूगुदीप को कामाक्षीपाल्या पुलिस स्टेशन में दर्ज एक हत्या के मामले में पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। हत्या के एक मामले में एक आरोपी ने एक्टर दर्शन के नाम का खुलासा किया है। पुलिस उसी पर कार्रवाई कर रही है। आरोप है कि दर्शन लगातार आरोपियों के संपर्क में था। विस्तृत जानकारी का इंतजार बेंगलुरु पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कहा है, 9 जून को बेंगलुरु पश्चिम डिवीजन के कामाक्षीपाल्या पुलिस स्टेशन की में दर्ज एक हत्या के मामले में कन्नड़ फिल्म उद्योग के एक अभिनेता को हिरासत में लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। अभी तक विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है और मामले की जांच की जा रही है। 10 लोगों से हो रही पूछताछ पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने आगे कहा है, चित्रदुर्ग के रेणुकास्वामी (33) मामले में पीड़ित हैं। इस केस में करीब 10 लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। विस्तृत जानकारी आनी अभी बाकी है।

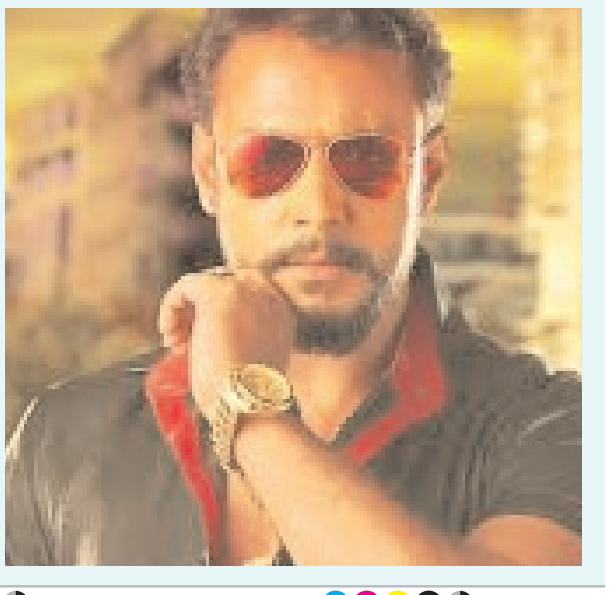

जुनून ऐसा भीः परिवार से अलग रहकर सात साल से बच्चों की तरह पेड़ों का कर रहे पालन पोषण

सतना के माउंटेन मैन बद्दू कोरी; मरु भूमि में उगा दिया जंगल, लगाए है , 2000 सागौन, 200 नीम, 100 पीपल, 50 बरगद

सिटी चीफ । उमेश कुशवाहा

सतना, भ्रांति ऐसी भी, ग्रामीण काट रहे पेड़ बद्दू ने बताया कि उसने सात साल में इधर-उधर से लाकर सैकड़ों पेड़ लगाए। इस कार्य में ग्राम पंचायत या प्रशासन ने किसी प्रकार की मदद नहीं की। उल्टा पीपल के पेड़ में प्रेत आत्माओं का वास होता है इस भ्रांति के चलते गांव के कुछ लोग उसके लगाए पेड़ चोरी छिपे काट देते हैं। सात साल में पीपल के 50 से अधिक तैयार पेड़ ग्रामीणों ने काट दिए। इसके बावजूद हार नहीं मानी और सूखे पेड़ों की जगह पीपल की नई पौध तैयार की। पेड़ लगाने के लिए पैसा या किसी के सहयोग की जरूरत नहीं होती। यदि मन में कुछ कर गुजरने का जुनून हो तो बंजर जमीन में भी जंगल उगाया जा सकता है। इसे सिद्ध कर दिखाया है क्षेत्र में द माउंटेन मैन के नाम से प्रसिद्ध नचना गांव के 85 वर्षीय बद्दू कोरी ने मरू भूमि में जंगल उगाकर। जिला मुख्यालय से महज 15 किमी की दूरी पर जैतवारा कस्बे से लगे नचना गांव के वृद्ध बद्दू कोरी पढ़े लिखे नहीं हैं फिर भी पर्यावरण के प्रति उनके दिल में ऐसा प्रेम जागा कि उन्होंने श्मशान के लिए आरक्षित गांव की बंजर जमीन (जिसमें घास भी नहीं उगती थी) में अपने जज्बे और जुनून के दम पर सात साल में

2350 पेड़ लगाकर जंगल खड़ा कर दिया। जो अब श्मशान आने वाले लोगों को छाया देने के साथ गांव को शुद्ध आक्सीजन भी दे रहे हैं।

पेड़ों के लिए छोड़ा परिवार- बद्दू ने कहा, वह पेड़ लगाने के लिए अपना पूरा समय श्मशान भूमि में देने लगा तो बच्चों ने विरोध किया। परिवार कार्य में बाधा बना तो उन्होंने घर छोड़कर गांव से दूर अलग झोपड़ी बना ली और पेड़ लगाने और उनको संरक्षित में दिन रात जुटे रहे।

बद्दू ने बताया कि सात साल पहले गांव के एक व्यक्ति की मृत्यु होने पर वह अंतिम संस्कार में शामिल होने श्मशान गया था। गर्मी के दिन थे। वहां एक भी पेड़ न होने से सभी लोग धूप से छटपटा रहे थे। इससे परेशान गांव के मुखिया व लोगों ने कहा कि बद्दू तुम श्मशान में पीपल का एक पेड़ लगा, दो इससे यहां आने वालों को छाया मिलेगी और जब तक वह पेड़ रहेगा, गांव में तुम्हारा नाम चलेगा। यह बात बद्दू के दिल में घर कर गई और उसने श्मशान भूमि को उपवन बनाने की ठानी। जी जान से पेड़ लगाने में जुट गया।

ग्रामीणों का कहना है कि बद्दू ने श्मशान भूमि में लगाए गए पौधों की परवरिश बच्चों जैसे की है। तब कहीं जाकर छोटे पोधे बंजर जमीन में पेड़ का रूप ले पाए हैं। नदी का पानी सूख जाने पर बद्दू छह माह एक किमी दूर हैंडपंप से घड़े में पानी ढोकर पेड़ों की सिंचाई करते हैं। गर्मी में यदि कोई पौधा झुलसने लगता है तो उसे लू से बचाने अपना गमझा और बगली उतार कर पेड़ को ओढ़ा देते हैं।

सहारनपुर में सदस्य सेन्ट्रल मॉनिटरिंग कमेटी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने अधिकारियों के साथ की बैठक

केन्द्र एवं प्रदेश सरकार स्वच्छकारों को साामजिक न्याय एवं अधिकार दिलाने के लिये प्रतिबद्ध

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

सहारनपुर, सदस्य सेन्ट्रल मॉनिटरिंग कमेटी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारित मंत्रालय, भारत सरकार भगवत प्रसाद मकवाना ने सर्किट हाउस सभागार में मैनुअल स्केवेन्जर्स अधिनियम 2013 के जनपद में लागू होने व पालन करने के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। सदस्य ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में देश व प्रदेश सरकार द्वारा सफाई कार्य में लगे हुए स्वच्छकारों के लिए लाभकारी योजनाएं संचालित कर पुनर्वासित किया जा रहा है। उन्होने निर्देश दिए कि स्वच्छकारों की बस्तियों में प्राथमिकता से विकास कार्य कराकर उनकी स्थिति में सुधार लाया जाए। स्वच्छकारों के पुर्नवासन के लिए स्वच्छकारों की बस्तियों में अधिक से अधिक कैम्प लगाकर ऋण वितरित किया जाए। स्वच्छकारों को प्रशिक्षण दिलाकर कौशल विकास मिशन एवं अन्य योजनाओं के माध्यम से स्वच्छकारों को प्रशिक्षित कर विभिन्न व्यावसायिक एवं औद्योगिक आस्थानों में स्थानीय स्तर पर ही सेवायोजित कराया जाए। स्वच्छकारों की बस्तियों में समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का

लाभ स्वच्छकारों को दिलाने में संवेदनशीलता बरतें अन्यथा उचित कार्यवाही की जाएगी। मैनुअल स्केवेन्जर्स अधिनियम 2013 के तहत जनपद के 2811 चयनित लाभार्थियों को एकमुश्त अनुदान राशि प्रदान करने के संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए। श्री भगवत ने बताया कि मा0 उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार सीवर में कार्य करते हुए मृतक स्वच्छकारों के आश्रितों को 30 लाख मुआवजा दिये जाने का प्रावधान किया गया है। जनपद में इस प्रकार के मृतक आश्रितों को चिन्हित करते हुए उन्हें योजना से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छकारों की समस्याओं के निस्तारण के लिये जनपद में मैनुअल स्केवेन्जर्स अधिनियम 2013 के अनुसार जिलास्तरीय निगरानी समिति का गठन कराया गया है ताकि इनकी समस्याओं को स्थानीय स्तर पर ही निस्तारित किया जा सके। जनपद के सम्बन्धित अधिकारी निगरानी समिति के माध्यम से प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होने जनपद में होने वाले सर्वे में अधिकारियों, समिति के सदस्यों एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों को एक दूसरे का सहयोग कर अधिक से अधिक पात्रों को शामिल कर योजना से लाभान्वित कराया जाए। उन्होंने जनपद में आउटसोर्सिंग, ठेका एवं अन्य माध्यमों से नगर निकायों में तैनात सफाई कार्मिकों के वेतन भुगतान, ईपीएफ, ईएसआई एवं साप्ताहिक अवकाश की जानकारी लेते हुए निर्देश दिये कि किसी भी कार्मिक का शोषण न हो। उन्होने निर्देश दिए कि सभी स्वच्छकारों को पहचान पत्र उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर स्वच्छकारों के नियमानुसार भुगतान एवं प्रदत्त सुविधाओं में गड़बड़ी पाई जाती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छकार एवं अन्य पदों पर कार्यरत आउटसोर्स एवं संविदा कार्मिकों को शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानदेय दिलाना सुनिश्चित किया जाए। बैठक के अन्त में जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र ने मा0 सदस्य को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनके दिये गए निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन किया जाएगा। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 विपिन ताडा, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, जनपद स्तरीय समिति के सदस्य भारत भूषण, राकेश कल्याण एवं श्रीमती रेनू देवी, एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक, सिटी मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, अपर नगर आयुक्त राजेश यादव, डीपीआरओ आलोक शर्मा समेत विनोद घावरी, डेविड ढींगिया, हंसराज गौतम एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जयंत चौधरी के मंत्री बनने से रालोद-भाजपा होंगे मजबूत

किसानों को दिलाएं जाएंगे उनके अधिकारः सांसद चंदन चौहान

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

बिजनौर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में किसान हितैषी नेता के रूप में शामिल किए गए रालोद प्रमुख जयंत चौधरी के चलते भाजपा और रालोद को मजबूती मिलेगी। जयंत चौधरी किसानों को उनके अधिकार दिलवाएंगे। यह बात पहली बार चुने गए सांसद और रालोद नेता चंदन चौहान ने आज कही। चंदन चौहान बिजनौर लोकसभा सीट से पहली बार लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। अभी वह मुजफ्फरनगर की मीरापुर सीट से रालोद के विधायक थे। चंदन चौहान ने जयंत चौधरी को मंत्रिमंडल में सम्मानजनक स्थान देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। उन्होंने

कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश किसान बहुल क्षेत्र है जहां भाजपा और रालोद का जनाधार बढ़ने की बहुत संभावनाएं हैं। इस बार के चुनावों में भाजपा सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, नगीना, रामपुर, मुरादाबाद सीटें नहीं जीत पाई है। वह खुद बिजनौर से निर्वाचित हुए हैं। वह अपनी जिम्मेदारी को ठीक से समझते हैं और इन सभी क्षेत्रों का ध्यान रखेंगे। उन्होंने कहा कि जयंत चौधरी कुशल प्रशासक साबित होंगे। वह किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते हैं।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसानों की मुख्य फसल गन्ना, गेहूं, बासमती चावल की पैदावार करना है। कई क्षेत्रों में फलों के बड़े बाग भी हैं। गन्ना मूल्य भुगतान किसानों की बड़ी समस्या है। जयंत चौधरी इस समस्या को प्राथमिकता पर दूर कराने का काम करेंगे। ध्यान रहे भाजपा-रालोद गठबंधन से रालोद के दो सांसद चंदन चौहान और बागपत से राजकुमार सांगवान जीते हैं। जयंत चौधरी राज्यसभा के सदस्य हैं। उत्तर प्रदेश में इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है। 80 में से भाजपा के केवल 34 उम्मीदवार सफल हो पाएं हैं। सहयोगी संगठनों के भी छह में से तीन उम्मीदवारों की हार हुई है। ऐसे में जयंत चौधरी की भूमिका और महत्व दोनों बढ़ जाते हैं। जयंत चौधरी के बाबा चौधरी चरण सिंह देश के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चौधरी चरण सिंह को मरणोपरांत भारत रत्न सम्मान से विभूषित किया है। जयंत चौधरी के पिता चौधरी अजीत सिंह भी तीन बार केंद्र में मंत्री रह चुके हैं।

सहारनपुर पहुंचे आरएसएस के राष्ट्रीय प्रचारक नागेंद्र रावल

मोतियों की माला, अंगवस्त्र और शॉल ओढ़ाकर किया भव्य स्वागत

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, सहारनपुर पहुंचे आरएसएस के राष्ट्रीय प्रचारक नागेंद्र रावल का एक होटल में भव्य स्वागत हुआ। पंजाबी समाज के अध्यक्ष पाली कालड़ा, पूर्व विधायक महिपाल सिंह माजरा, भाजपा नेता अभय राणा, पंजाबी समाज के उपाध्यक्ष रम्मी धवन ने सयुंक्त रूप से मोतियों की माला, अंगवस्त्र और शॉल ओढ़कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर आरएसएस के राष्ट्रीय प्रचारक और विधानसभा चुनाव में मंडल प्रभारी रह चुके नागेंद्र रावल ने कहा कि

लोकसभा चुनाव में किस स्तर पर चूक हुई है इसकी समीक्षा की जा रही है। तीसरी बार मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार बनी है। अब हम सभी को उनके द्वारा किए गए कार्यों को जन-जन तक पहुंचाकर अपनी भूल को सुधारना होगा।

युवक ने घर में घुसकर युवती पर चलाई गोली, युवती को मरा समझकर युवक ने नजदीक खेत में जाकर खुद को भी मारी गोली, हुई मौत

पुलिस घटना को एकतरफा प्यार मानकर चल रही है

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

नागल । सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के नागल थाना क्षेत्र के गांव ताजपुर जाकर एक युवक ने घर में घुसकर युवती पर गोली चला दी। युवती को मरा समझ युवक फरार हो गया और नजदीक खेत में जाकर खुद को भी गोली मार ली। पुलिस घटना को एकतरफा प्यार में मानकर चल रही है। घटना नागल के गांव ताजपुर की है। देवबंद थाना के गांव भायला निवासी राजन पुत्र सोमपाल सुबह करीब दस बजे युवती के घर पहुंचा। घर में युवती

और उसकी मां मिली। युवती को देखते ही युवक ने उस पर गोली चला दी। इस पर युवती घायल हो गई। उसे स्वास्थ्य केंद्र नागल ले जाया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया। युवती की हालत गंभीर है। घटना को अंजाम देकर युवक गांव के नजदीक खेत में पहुंचा और उसी तमंचे से खुद गोली मार ली। उसकी मौके पर मौत हो गई। बताया जाता है कि ताजपुर में युवक की बुआ रहती है। जिसके चलते उसका आना-जाना रहता था।युवती भी एक वर्ष से पढ़ाई नहीं कर रही थी। पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। अभी तक जांच में एकतरफा प्यार की बात सामने आ रही है।

भाकियू टिकैत गुट की मासिक बैठक का आयोजन

यूनियन को मजबूत करने का लिया गया संकल्प, कई मुद्दों पर हुआ विचार- विमर्श

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

गंगोह । सहारनपुर, भाकियू टिकैत यूनियन गुट की गंगोह के मेन बाजार स्थित शाह अब्दुल्लाह नेक मर्द की दरगाह पर मासिक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यूनियन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हुए यूनियन को मजबूत करने संकल्प लिया गया। भाकियू की मासिक मीटिंग में सभी कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने विचार रखते हुए अपनी समस्याओं को भी रखा। गंगोह ब्लॉक अध्यक्ष हाजी तहसीन चौधरी ने कहा यूनियन को मजबूत करने के लिए नए साथियों का गठन करें। जिससे हम सभी मिलकर किसान व पीड़ितों की मजबूती से लड़ाई लड़ें और आंदोलन करने में भी सहयोग मिले। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष हाजी तहसीन चौधरी, मसरूफ चौधरी, सतीश कुमार, शिवचरण, रामकला, मुरसलीन, इमरान, फारूक, सुशील, सोमपाल,हरजीत, चौधरी रणवीर सिंह, जगपाल सिंह, सवेग सिंह सहित कई अन्य साथी मौजूद रहे।

सहारनपुर में मनाई गई सिखों के 5 वें गुरु श्री अर्जुन देव जी के शहीदी पर्व

राहगीरों को मीठा जल वितरित किया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, सिख समाज के 5 वें गुरु श्री गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी पर्व पर सहारनपुर में विभिन्न जगहों पर मीठे पानी की छबील लगाकर राहगीरो की सेवा की गई। पंजाबी गुरुद्वारा नुमाइश कैंप में भी राहगीरो के लिए छबील का आयोजन किया गया। पंजाबी- सिख नेता एवं पार्षद अभिषेक टिंकू अरोड़ा ने गुरुद्वारा साहब पहुंचकर माथा टेका और छबील में सेवा की। इस अवसर पर गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान सरदार तजेंद्र सिंह ने कहा कि सिख समाज के गुरुओं की बलिदानी को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। सरदार साहिब सिंह, सरदार करनैल सिंह, सरदार सैबू सिंह, सरदार मंगा सिंह, सरदार गिन्नी सिंह, सरदार दीपक सिंह और मनचंदा आदि लोगों ने सेवा में भागीदारी निभाई।

सहारनपुर जनपद में हुए अलग-अलग हादसो

पांच की हुई मौत

सहारनपुर, सहारनपुर जिले में अलग-अलग हुए सडक हादसो में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक युवक नहर में नहाते समय डूबकर मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति की जलकर मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक सहारनपुर के शारदानगर निवासी बाइक सवार 26 वर्षीय रोहित चौधरी की बीती रात ट्रैक्टर-ट्राली से टक्कर होने पर मौत हो गई। उधर बिहारीगढ थाना क्षेत्र में गणेशपुर और मोहंड के बीच बाइक सवार शमशाद की कार की टक्कर से मौत हो गई और उसके दो साथी साजिद और मोहन घायल हो गए। कस्बा छुटमलपुर में दो बाइको की टक्कर में 22 वर्षीय युवक मिन्टू की मौके पर ही मौत हो गई। नानौता थाना क्षेत्र में 18 वर्षीय युवक जुनेद की नहर में नहाते समय डूब जाने से मौत हो गई। उधर सहारनपुर के शिव विहार कालोनी में 60 वर्षीय धर्मवीर की अपने घर में ही संदिग्ध हालत में आग से जलकर मौत हो गई। एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

दो पक्षों में कहासुनी के बाद हुए संघर्ष में घायल उधम सिंह की हुई मौत

जिला अस्पताल से रेफर हायर सेंटर में चल रहा था इलाज

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के बेहट क्षेत्र के गांव भोजेवाला में पांच दिन पूर्व खेत की मेड़ को लेकर दो पक्षों में कहासुनी के बाद हुए संघर्ष में घायल उधम सिंह (21) की मौत हो गई। उधम अपने पिता का इकलौता बेटा था।सुशील कुमार पुत्र शीशपाल सिंह की परिवार के ही सुरेश कुमार पुत्र जादो राम के साथ खेत की मेड़ को लेकर वर्षों से विवाद चल रहा है। पांच दिन पहले उनमें झगड़ा हो गया था। इसमें एक पक्ष के सुरेश कुमार व उसका बेटा उधम सिंह तथा दूसरे पक्ष के सुशील कुमार घायल हो गए थे। पुलिस ने घायलों को सीएचसी बेहट में भर्ती कराया था। यहां से चिकित्सकों ने सुशील कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया था, जबकि सुरेश कुमार व उधम सिंह को जिला अस्पताल रेफर किया था। जिला अस्पताल से उधम सिंह को हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने उसी दिन मुकदमा दर्ज कर लिया था। उधम सिंह की मौत की सूचना पर पुलिस भी पहुंची। पुलिस ने बताया, कि पहले से दर्ज मुकदमे में धाराएं जोड़ दी गईं हैं। मृतक तीन बहनों का इकलौता भाई था। दो बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है। जबकि उसकी एक छोटी बहन और उधम अविवाहित था।

संस्कारधानी में प्रथम महिला बैंकिंग शाखा का उद्घाटन

देश में महिला बैंक की शुरुआत जबलपुर से

दिनेश राज शर्मा । सिटी चीफ

जबलपुर, देश के प्रथम स्वदेशी बैंक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा संस्कारधानी में संचालित जीसीएफ शाखा को क्षेत्र की रिपोर्ट में प्रथम महिला शाखा के रूप में उद्घाटित किया गया, उक्त शाखा पूर्णत: महिला कर्मचारियों के द्वारा संचालित किया जायेगा , जो नगर में ऐसी पहली बैंकिंग पहल है यही कारण है कि शहर में चर्चा का केन्द्र बन गयी है।

महिला शाखा का उद्घाटन श्री राजेश गुप्ता उप महाप्रबंधक केंद्रीय कार्यालय मुंबई के द्वारा किया गया । क्षेत्रीय प्रबंधक अविनाश कुमार के द्वारा महिलाओं का सम्मान किया गया । इस अवसर पर श्रीमती यामिनी जगत बहादुर सिंह, श्रीमती रक्षा सोनी एवं रक्षा फाउंडेशन द्वारा नारी सशक्तिकरण पर उद्बोधन दिया । शाखा प्रबंधक के द्वारा सम्मानीय ग्राहकों हेतु नि:शुल्क स्वस्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया ।उक्त कार्यक्रम में शुभांगी सिंह शाखा प्रबंधक जीसीएफ शाखा द्वारा समस्त ग्राहकों को उचतम एवं त्वरित ग्राहक सेवा हेतु आश्वस्त किया एवं अतिथियों को हरित ब्रक्ष दे कर आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम के दौरान सारिका जैन, पूजा माथुर, सोनम झारिया, रीतिका पाठक, अनिल नायक, मालती कुरील, विवेक कुमार, अमृतांशु जैन, दिवाकर ठाकुर, शशांक मिश्रा, जय देव पीपरा, दीपक जयसवाल, नमिता मिश्रा, साक्षी, सचिन गर्ग, रवि कुमार, आकांक्षा सिंह, कुमुदनी इक्का, कलिका पाण्डे, निशा महतो, हंस, रजनी, निर्मला टोप्पो, कल्पा राजपूत सहित बड़ी संख्या में ग्राहक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे ।

जिला मैहर में चहूँ ओर अतिक्रमण एक बार पुनः फैलाव की ओर

नगर पालिका मैहर एवं विधायक के मुहिम का असफल रहा प्रयास

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ

मैहर, मैहर जिला बन गया है। अब मैहर में जिला के अनुसार व्यवस्था होंगी । आज मैहर बाजार मे देखा जाय तो पुन: सड़क के किनारे बीच बाजार में हर जगह अतिक्रमण हो रहा है जिसके कारण हर जगह अव्यवस्था बनी हुई है। चुनाव के पूर्व मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी एवं नगरपालिका द्वारा अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई गई थी और पहली बार अतिक्रमण हटाने के पूर्व उन्हे व्यवस्थित जगह देकर फिर अतिक्रमण हटाया गया था उन्हे एक चौपाटी में अस्थायी रूप से रोजी रोटी चलाने के लिए स्थान प्रदान किया था जिसकी सभी लोगो ने सराहना की थी। मैहर जिला बाजार मे यातायात की दृष्टि से सुविकसित दिखने लगा था। चाहे वह घन्टाघर हो, चण्डी देवी के पास हो, स्टेट बैंक चौराहा हो , गल्ला मंडी हो अर्थात बाजार लगभग अतिक्रमण मुक्त की कगार पर था जिसके लिए नगरपालिका, प्रशासन, जन प्रतिनिधि मैहर विधायक श्री कांत चतुर्वेदी जी की मेहनत थी

जिसके लिए वह बधाई के पात्र थे। लोगों का कहना है कि एक बार पुन: मैहर जिला अतिक्रमण अपने चरम सीमा मे है जो मेहनत अतिक्रमण हटाने के लिए की गई थी वह बेकार हो गई एक बार फिर सम्पूर्ण बाजार मे अतिक्रमण का फैलाव हो गया है। मेरी कलम कहती है कि हम सभी को एक बात मन मस्तिष्क में बैठाना होगा कि अब मैहर जिला बन गया है। उसी के अनुरूप अतिक्रमण हटेगा और व्यवस्थित रूप से हटेगा आप सभी को अपना मैहर समझ कर अतिक्रमण हटाने पर प्रशासन सरकार का सहयोग करना होगा। आज देखने मे आ रहा है हर तालाब के किनारे किनारे अतिक्रमण किया गया है और सबसे बड़ी बात तालाब के किनारे लेटरिंग शौचालय बनाया गया है और उसका गंदा मलमूत्र तालाब में बहाया जा रहा है। निश्चित ही तालाब के किनारे जो अतिक्रमण लोगो ने किया है उससे तालाब संकीर्ण हो गए है। तालाब में गंदे पानी की निकासी कर रहे है जिससे तालाब प्रदूषित हो रहा है। इस समय भारत सरकार के द्वारा नमामि गंगे के तहत जल संवर्धन योजना अभियान चलाया जा रहा है। शाशन उसी के अनुरूप कार्य कर रही है। देखने मे आ रहा है की कुछ लोग अतिक्रमण हटाने की मुहिम मे अभद् रूपी शब्दो का प्रयोग करते है। यह माँ शारदे की धार्मिक नगरी है इसे सुंदर और आकर्षण बनाना है देवी जी धाम मे भी अतिक्रमण है देखने मे आ रहा है कि माँ शारदा धाम में लोग इस तरह अतिक्रमण किये है की पूरा परिवार रह सकता है और यात्रियों को भी रात मे रोकते है। आप सभी को उचित रूप से जगह प्रदान कर अतिक्रमण हटाया जायेगा। देखने मे मिल रहा है लोग अतिक्रमण कर लोगो को किराये मे देकर अर्थ कमाते है जो कि उचित नही है माँ शारदा धाम मे दलाली अपने चरम सीमा मे है । इस दलाली प्रक्रिया मे अंकुश लगाना अनिवार्य है। दलाली की प्रक्रिया माँ शारदे के धाम मे नही चलेगा। मैहर में जब श्रधालु भक्त दर्शन करने आता है तो काफी अव्यवस्था देखता है। देवी जी मे जो बन्धा बैरियल मे ठेका हुआ है उसकी क्या प्रक्रिया है उसकी भी जाँच की जानी चाहिए जब पार्किंग की व्यवस्था नही है तो किस प्रकार का टोल नाका। इस टोल नाका के संदर्भ में क्या नियमावली है यह जाँच का विषय है सम्बन्धित अधिकारी इस पर अवस्य ही संज्ञान लेना होगा। अतिक्रमण एक अभिशाप है। आज सतना नजीराबाद मे अतिक्रमण हटने से कितना अच्छा हो गया। कुछ भी हो सारगर्भित नियमो के तहत सकारात्मक रूप से अतिक्रमण हटना मैहर जिले के लिए हितार्थ होगा।

गंभीर हृदय रोग से जूझ रहे कृष्णा को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम बना सहारा

कृष्णा का परिवार अब बहुत खुश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, यह कहानी है दमोह जिले से 44 किमी दूर बटियागढ़ ब्लाक की ग्रामपंचायत कबीरपुर ग्राम झागरी में रहने वाले विनोद रजक के परिवार की है। परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है इसलिये दिल्ली में मजदूरी कर परिवार का गुजारा कर रहे है। बालक कृष्णा रजक का जन्म बटियागढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में हुआ था। डिलेवरी पाईंट पर जन्म लेने के दौरान डॉ. सौरभ जैन आरबीएसके एएमओ ने उनके परिजन को बताया कि कृष्णा जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित है। अत: इसकी जांच हेतु डीईआईसी जिला दमोह जाना होगा। आरबीएसके टीम व डीईआईसी टीम द्वारा निरंतर बच्चें के स्वास्थ्य की निगरानी की गई। उनके माता-पिता बच्चे को लेकर दिल्ली जाने के कारण व इलाज समय पर न मिलने से कृष्णा बार-बार बीमार होने लगा। प्राईवेट में बार-बार जांच कराने के कारण उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोंर होती जा रही थी। इसी दौरान डीईआईसी टीम से डॉ. प्रीति ठाकुर द्वारा चिहांकित बच्चों का निरंतर फॉलोअप लेने दौरान

उनके पिता विनोद रजक ने फोन पर बात हुई तो उन्होंने बताया कि कृष्णा बार-बार बीमार पड़ने से कमजोर हो गया है और प्राईवेट में दिखाया है, उसके इलाज पर लगभग दो लाख रूपये का खर्च आना बता रहे है। डॉ. प्रीति ने बताया की कृष्णा को डीईआईसी ले जाइयें यहां से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत नि:शुल्क सर्जरी करायी जायेगी।

दूसरे ही दिन कृष्णा, मॉ-जयंती, पिता-विनोद रजक डीईआईसी आये जहां डॉ. जलज बजाज द्वारा हृदय रोग से संबंधित सभी जाचें नि:शुल्क करायी गई, जांच में कृष्णा को दो गंभीर हृदय रोग की बीमारी निकली जिस पर मान्यता प्राप्त संस्था द्वारा 1.75 लाख का प्राक्कलन दिया, जिसे कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, आरबीएसके जिला समिति से सिविल सर्जन, आरबीएसके नोडल अधिकारी, डीपीएम, डीईआईएम, सीएमएचओ द्वारा स्वीकृति प्रदाय कर राशि जारी कर कष्णा की सफलता पूर्वक सर्जरी करायी गई।

सर्जरी के तीन माह पश्चात कृष्णा का आज पुन: फॉलोअप लिया गया। कृष्णा की मॉ जयंती बोली की मेरे बच्चे को स्वास्थ्य विभाग दमोह व आरबीएसके टीम ने नया जीवन दिया है, बेटे के इलाज पर इतनी बढ़ी रकम खर्च करना तो उनके लिये दिन में सपने देखना जैसे था। अब वह भी अन्य बच्चों की तरह खेलकूद रहा है, मैं अपने बच्चे कृष्णा को खेलता देख बहुत खुश हूं।

निगम प्रशासन और विद्युत विभाग की अनदेखी व लापरवाही कर सकती है ज़िंदगी को खामोश !

पीएम आवास के प्रत्येक बिल्डिंगो में हितग्राहीयों के यहाँ एक तार की जगह दिए है अलग अलग तार कनेक्शन

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

सतना, सतना शहर के पीएम आवास उतैली की स्मार्ट सिटी बिल्डिंगो में मौत नाचती देखी जा रही है, ये ऐसा तब होता है जब किसी की मृत्यु नजदीक होती है, ऐसा इस लिए नगर पालिक निगम सतना अंतर्गत बने स्मार्ट सिटी पीएम आवास के प्रत्येक बिल्डिंगो में हितग्राहीयों को कनेक्शन के नाम पर कमीशन खोरी के चक्कर में दलालो द्वारा अलग अलग मीटर में अलग अलग तार दौड़ा दिया गया है ऐक बिल्डिंग में 14 हितग्राहियो को आवंटन किया गया है जिसमे प्रत्येक हितग्राही को ऐक अलग तार विद्युत विभाग द्वारा पैनल तक पहुंचा कर मीटर में कनेशन किया गया, यदि किसी तार में स्पार्क होता है तो एक के कारण सभी तार आग के लपेटे में आएगी और सोने पर सुहागा सभी तारे मुख्य लोहे के दरवाजे से होकर गुजरती है, तो पूरे दरवाजे में करेंट फ़ैल जायेगा, यदि इस दौरान कोई भी तार या दरवाजे के संपर्क

में आता है, तो वह व्यक्ति काल के गाल में समा जायेगा। हस्ताखेलता परिवार बिखर जायेगा।

इस प्रकार की घटना का आखिर जिम्मेदार कौन :

निगम प्रशासन और विद्युत विभाग की लापरवाही और भ्रष्टाचार, और हितग्राहियो का शोषण के की खबरें आए दिन समाचार संस्थान में पढ़ने को मिलते है, और हितग्राही भुक्त भोगी भी हैं, विभाग अपने आदत से मजबूर होने के कारण इस गंभीर मुद्दे को भी संज्ञान में नहीं लेगा ज़ब तक कोई बड़ी घटना न घट जाए।

विभाग को लिखित आवेदन देने के बाद भी निराकरण शून्य :- नगर निगम प्रशासन कमिश्नर और इंजिनियर को कई बार आवेदन देकर हितग्राहियो द्वारा यह जानकारी पूर्व में दी गई थी, और पीएम आवास में वर्तमान आयुक्त शेर सिंह मीणा द्वारा खुले शब्दों में इंजिनियर सिद्धार्थ सिंह से सभी तार हटाकर सिंगल केबिल पैनल तक पहुंचवाने की बात कही और शख्त निर्देश दिए, जिसके बाद रात गई बात गई जैसी घटना हुई उधर आयुक्त निकले और इंजिनियर भूल गए।

कमीशनखोरी के जतवे में पिस रहा हितग्राही :- नगर निगम के भ्रस्ट इंजिनियर और एमपीईबी के अधिकारी अधिक लाभ के लालच ने मानवता को शर्मशार कर दिया, चंद रुपयों के लिए मासूमों का जिंदगी दाव में लगा दिया।

यदि भविष्य में इस प्रकार की घटना होती हैं इसका जिम्मेदार कौन :- पीएम आवास हितग्राहियो से चर्चा की गई जिसमे उनके द्वारा विभाग की उदासीनता की घोर निंदा की गई साथ ही जागरूक हितग्राहियो द्वारा साफ शब्दों में कहना है कि यदि इस प्रकार कि घटना होती है तो नगर निगम आयुक्त इसके प्रमुख जिम्मेदार होंगे मामला संज्ञान में होने के बाद सुधार न होने के कारण इस प्रकार कि घटना घटी, और पीएम आवास के प्रभारी अरुण तिवारी और इंजिनियर सिद्धार्थ सिंह सहित विद्युत विभाग भी बराबर के भागीदार होंगे जिनके गैरजिम्मेदाराना हरकतो के कारण यदि भविष्य में इस प्रकार का घटना घाटेगी।

कलेक्टर ने कोई न कोई गतिविधि टाइम लिमिट बैठक प्रारंभ होने से पहले रखने के दिए निर्देश

आई.टी.आई. के छात्रों ने बनाकर दिखाया कैसे बनते है एल.ई.डी. बल्ब

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ

दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने गत माह से टाइम लिमिट बैठक में कोई न कोई गतिविधि बैठक प्रारंभ होने के पूर्व रखने के निर्देश दिए है, जिसके तहत आई.टी.आई. के छात्रों ने एल.ई.डी. बल्ब बनाने की प्रक्रिया बताई और कहा कम लागत से अपना व्यवसाय प्रारंभ कर जीविकापार्जन का साधन पा सकते है।

शासकीय आईटीआई दमोह में अध्यनरत इलेक्ट्रीशियन सेकेण्ड ईयर के छात्र ताजुल मंसूरी ने बताया कार्यालय कलेक्टर के सभाकक्ष में आयोजित टीएल मीटिंग में हमने 9 वॉट का एलईडी बल्ब लाईव प्रजेंटेशन में बना कर दिखाया है। यह स्वरोजगार करने का एक बेहतरीन अवसर है। जब हम आईटीआई में जाते है तब हमें रोजगार तो मिलता ही है लेकिन

हम खुद का भी कुछ कर सकते है, जिसका हमने सबसे अच्छा उदाहरण टीएल मीटिंग में 9 वॉट का एलईडी बल्ब बनाकर दिया है।

शासकीय आईटीआई दमोह के ट्रेनिंग ऑफीसर बहादुर सिंह ने बताया मैं आईटीआई में इलेक्ट्रीशियन व्यवसाय का प्रशिक्षण अधिकारी हूं। मैंने यहां पर छात्रों को 09 वॉट की एलईडी बनाने की ट्रेनिंग दी है। इनको बेसिक भी बताया की इसमें कौन-कौन सी चींजे लगती है जैसे- हाऊंसिंग, ड्राईवर और अन्य जानकारी बेसिक से दी है। जिससे ये छात्र कहीं पर भी अपना स्वरोजगार स्थापित कर एलईडी बल्ब बना सकते है। उन्होंने बताया इसमे 10 से 15 छात्र ट्रेन्ड हो चुके है, जो अपने घर पर ही एलईडी बल्ब बना सकते है। अभी यह रनिंग में सेकेण्ड ईयर के छात्र है, जब ये यहां से पास आऊट होंगे, तो ये अपने घर जाकर स्वरोजगार स्थापित कर सकते है।

महाराणा प्रताप जयंती पर शहर में निकली शोभा यात्रा

शौर्य यात्रा में झलकी राजपूतों की शान, क्षत्राणियों ने लहराई तलवार,महिला ब्रिगेड रही खास

उमेश कुशवाहा। सिटी चीफ

सतना. महाराणा प्रताप जयंती रविवार को शहर में धूमधाम के साथ मनाई गई। रॉयल राजपूत संगठन के नेतृत्व में शौर्य यात्रा निकाली गई। यात्रा महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद शाम 5 बजे शुरू हुई। सेमरिया चौक से कृष्णनगर रोड, अस्पताल चौक, जय स्तम्भ चौक से होकर सुभाष पार्क में समाप्त हुई। इसमें समाज के वरिष्ठ नागरिक एवं मातृशक्ति शामिल हुईं। मौके पर रॉयल राजपूत संगठन ने समाज के गरीब तबके के लोगों के उपचार के लिए एक एम्बुलेंस समर्पित की। यात्रा का जगह-जगह स्वागत हुआ। सेमरिया चौक पर कांग्रेस कमेटी शहर महामंत्री अजय कुमार सोनी ने किया स्वागत। पन्नीलाल चौक

पर व्यापारी संगठन ने स्वागत किया। प्रतिभा का सम्मान- सुभाष पार्क में मंचीय कार्यक्रम हुए। मुख्य अतिथि पूर्व जिपं अध्यक्ष गगनेन्द्र प्रताप सिंह रहे। जिपं उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह, जनपद सोहावल उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह बराज, राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव सिंह, राष्ट्रीय सचिव सतेंद्र सिंह, सुधीर सिंह तोमर, सतपाल सिंह, पुष्पराज सिंह, रज्जु, पंकज सिंह परिहार , प्रवीण सिंह, अनिल सिंह, अशोक सिंह, रवि सिंह बतौर अतिथि रहे। अध्यक्षता ब्रिगेडियर देवेंद्र सिंह ने की। मिस टीन मीनाक्षी सिंह, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एम्बेसडर गार्गी सिंह, सब लेफ्टीनेंट सिद्धार्थ सिंह, चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. पुनीत सिंह और डॉ. विक्रम सिंह, तीरअंदाज अतुल सिंह व खेल विधा में आयुष और आर्यन प्रताप सिंह को मंच पर सम्मानित किया गया। तलवारबाजी प्रशिक्षक आरती सिंह बघेल ने बताया, यात्रा में क्षत्राणियां हाथों में तलवार लेकर चल रही थीं। बैंड बाजे की धुन के बीच महराणा प्रताप के जीवनी पर बिग्धी यात्रा के आगे आगे चल रही थीं। मुख्य चौराहे पर युवाओं द्वारा तलवारबाजी का शौर्य प्रदर्शन भी किया गया। महिलाओं ने भी राजपूताना पोशाक में तलवार ले रखी थी। सानवी, अर्णव, तेजस्वनी, गौरव, प्रवल, अनीश, आराध्या, अदिति की तलवारबाजी देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

बड़ोदिया महाविद्यालय में पूर्व छात्र संगठन के गठन की प्रक्रिया शुरू

शासकीय महाविद्यालय मोहन बड़ोदिया में दिनांक 8, जून, 2024 को प्राचार्य डॉ एसके तिवारी की अध्यक्षता में महाविद्यालय में पूर्व छात्र संगठन के गठन के संदर्भ में एक बैठक आयोजित की गई। प्राचार्य डॉ तिवारी ने बताया कि महाविद्यालय में पास आउट विद्यार्थियों की अलूमनी एसोसिएशन का गठन किया जाना है। इस संदर्भ में स्टाफ सदस्यों को निर्देशित किया गया कि महाविद्यालय स्तर पर एक समिति बनाई जाए एवं महाविद्यालय से पास आउट विद्यार्थियों से संपर्क करके आगामी 14, जून 2024 को अपराह्न 12:00 बजे पूर्व छात्रों की एक बैठक आयोजित की जाए। बैठक में उपस्थित होने वाले पूर्व विद्यार्थियों में से एसोसिएशन का गठन किया जाना है, जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव सह सचिव एवं कोषाध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा । तत्पश्चात उक्त गठित समिति का विश्वविद्यालय स्तर पर पंजीयन करवा कर, उक्त संगठन में महाविद्यालय के शेष पूर्व विद्यार्थियों को सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा। प्राचार्य द्वारा आगामी 14, जून, 2024 को होने वाली बैठक के लिए पूर्व छात्रों को सूचित करने का निर्देश दिया गया । बैठक में आइक्यूएसी प्रभारी श्रीमती सौम्या सिंह तोमर, श्री गोपाल वर्मा, डॉ केशव शर्मा, डॉ राजकुमार सूत्रकर, श्री अभय भोसले,डॉ अंजनी कुमार तिवारी, डॉ. वंदना मंडोर एवं श्री जितेंद्र विश्वकर्मा मौजूद रहे।

धरती को चढ़ा बुखार... नौतपा उतरने के बाद भी जनजीवन बेहाल

सिटी चीफ । उमेश कुशवाहा सतना, नौतपा उतरने के बाद भी विंध्य में तापमान का पारा उतरने का नाम नहीं ले रहा। दिन हो या रात झुलसा देने वाली गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। रविवार को सुबह से गर्मी के तेवर तीखे रहे। 11 बजे के बाद चले लू के गर्म थपेड़ों ने धरती में आग लगा दी। दोपहर 12 बजे से पांच बजे तक आसमान से बरसी आग में जनजीवन बुरी तरह झुलसता रहा। लोग हीटस्ट्रोक से बचने चेहरे व सिर पर पानी को बार-बार धोते नजर आए। दोपहर तापमान का पारा 44 के करीब पहुंचा। जबकि, शनिवार को दिन का अधिकतम तापमान 43.2 तथा न्यूनतम तापमान 32.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दोपहर में हीटवेव के कारण शहर में विभिन्न थानों पर आधा दर्जन ट्रांसफार्मरों में भी आग लग गई।

मोदी कैबिनेट में एक दर्जन मंत्री 70 पार, सबसे कम उम्र के मंत्री हैं 37 के

शपथ लेने वालों में 30 कैबिनेट मंत्री, 5 स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और 36 राज्य मंत्री शामिल

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए ने तीसरी बार सरकार का गठन कर लिया है। इस बार मोदी कैबिनेट में कुछ नए चेहरों को जगह मिली है वहीं, काफी पुराने चेहरे भी मंत्रिमंडल में नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के साथ शपथ लेने वालों में 30 कैबिनेट मंत्री, 5 स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और 36 राज्य मंत्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी सहित इस बार कैबिनेट में शामिल सभी 72 मंत्रियों के उम्र की बात करें तो उनकी औसत उम्र 59 साल निकल कर आती है। यानी मोदी सरकार 3.0 की एवरेज एज 59 साल है। मोदी सरकार 2.0 में यह औसत उम्र 61 साल थी। हालांकि, साल 2021 के दौरान हुए मंत्रिमंडल विस्तार में औसत उम्र घटकर 58 साल हो गई थी। बात करें इस बार सबसे उम्रदराज मंत्रियों की तो कैबिनेट में शामिल हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतनराम मांझी सबसे ज्यादा उम्र वाले मंत्री हैं। मांझी की उम्र 79 साल है। जबकि सबसे कमउम्र के मंत्रियों में टीडीपी के 36 वर्षीय राममोहन नायडू और बीजेपी की 37 वषीर्या रक्षा खड़से शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित उनकी सरकार में लगभग एक दर्जन चेहरे ऐसे हैं जिनकी उम्र 70 साल या उससे ज्यादा की है।

पीएम के साथ शपथ लेने वाले कैबिनेट मंत्री:

राजनाथ सिंह अमित शाह नितिन गड़करी जेपी नडडा शिवराज सिंह चौहान निर्मला सीतारमण एस जयशंकर मनोहर लाल खटटर एचडी कुमारस्वामी पीयूष गोयल धर्मेन्द्र प्रधान जीतन राम मांझी राजीव रंजन सिंह उर्फललन सिंह सबार्नंद सोनोवाल डॉ वीरेंद्र कुमार किंजरापु राम मोहन नायडू प्रह्लाद जोशी जुएल ओरम गिरिराज सिंह अश्विनी वैष्णव ज्योतिरादित्य सिंधिया भूपेन्द्र यादव गजेंद्र सिंह शेखावत अन्नपूर्णा देवी किरण रिजिजू हरदीप सिंह पुरी मनसुख मंडाविया जी किशन रेड्डी चिराग पासवान सीआर पाटिल

स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री- राव इंद्रजीत सिंह जीतेन्द्र सिंह अर्जुन राम मेघवाल प्रतापराव गणपतराव जाधव जयन्त चौधरी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद श्रीपद नाइक पंकज चौधरी कृष्णपाल गुर्जर रामदास अठावले रामनाथ ठाकुर नित्यानंद राय अनुप्रिया पटेल वी सोमन्ना डॉ. चन्द्रशेखर पेम्मासानी एसपी सिंह बघेल शोभा करंदलाजे कीर्ति वर्धन सिंह बीएल वर्मा शांतनु ठाकुर सुरेश गोपी एल मुरुगन अजय टम्टा बंदी संजय कुमार कमलेश पासवान भागीरथ चौधरी सतीश चंद्र दुबे संजय सेठ रवनीत सिंह बिट्टू दुर्गा दास उइके रक्षा खडसे सुकांत मजूमदार सवित्री ठाकुर तोखन साहू राजभूषण चौधरी भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा हर्ष मल्होत्रा निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया मुरलीधर मोहोल जॉर्ज कुरियन पबित्रा मार्गेरिटा

आजादी के बाद पहली सरकार, जिसमें 5 अल्पसंख्यक नेता, लेकिन एक भी मुस्लिम चेहरा नहीं

नई दिल्ली। पीएम मोदी की कैबिनेट आजादी के बाद पहली सरकार है जिसमें अल्पसंख्यकों को तो जगह मिली है, लेकिन मुस्लिम समुदाय से कोई चेहरा नहीं है। हालांकि जुलाई 2022 से ही मुसलमान को प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया, जो अब भी जारी है। मोदी सरकार में 5 अल्पसंख्यक समुदाय से मंत्री बनाए गए हैं, जिसमें किरेन रिजिजू और हरदीप पुरी को कैबिनेट मंत्री की शपथ दिलाई गई। वहीं रवनीत सिंह बिट्टू, जॉर्ज कुरियन और रामदास अठावले ने राज्यमंत्री की शपथ ली। कैबिनेट में शामिल 5 अल्पसंख्यक नेताओं में एक केरल, एक अरुणाचल प्रदेश, एक महाराष्ट्र और दो पंजाब से आते हैं। रिजिजू और कुरियन ईसाई समुदाय से आते हैं, जबकि हरदीप पुरी और बिट्टू सिख समुदाय से हैं। वहीं रामदास अठावले बौद्ध धर्म से जुड़े हैं। इस तरह से मोदी सरकार के नई मंत्रिमंडल में कोई भी मुस्लिम को जगह नहीं दी गई है।

प्रधानमंत्री ने कनाडा की सरकार के संदेश का उसी की भाषा में दिया करारा जवाब

बेहतर संबंधों के लिए एक-दूसरे की चिंताओं पर ध्यान देना जरूरी : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरे कार्यकाल की जीत के लिए दुनियाभर से बधाई संदेश मिले। इन बधाई संदेशों में एक संदेश कनाडा की सरकार का भी है। कनाडा की सरकार ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी को तीसरे कार्यकाल की जीत के लिए बधाई देते हुए कुछ ऐसा कहा, जिसे भारत पर तंज कहा जा सकता है। अब प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडा की सरकार के संदेश का जवाब देते हुए उसी की भाषा में करारा जवाब दिया है। पीएम मोदी ने कहा है कि बेहतर संबंधों के लिए एक-दूसरे की चिंताओं पर ध्यान देना जरूरी है। दरअसल कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रूडो ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी की जीत के लिए बधाई देते हुए लिखा कनाडा की सरकार, भारत के साथ अपने संबंधों को बेहतर करने के लिए तैयार है और ये संबंध मानवाधिकार, विविधता और कानून के शासन के आधार पर होने चाहिए। गौरतलब है कि बीते दिनों कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में खालिस्तान आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रूडो ने कनाडा की संसद में निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर लगाया और कहा कि भारत को कनाडा में कानून के शासन का सम्मान करना चाहिए। हालांकि भारत ने कनाडा को आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था और बयान के संबंध में सबूत मांगे थे। इस मुद्दे पर भारत और कनाडा के रिश्तों में खटास आ गई थी। यही वजह है कि जब कनाडा के प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी को भेजे बधाई संदेश में कानून के शासन के आधार पर संबधों आगे बढ़ाने की बात कही तो इसे भारत पर तंज कहा जा सकता है।

कनाडा के प्रधानमंत्री के ट्वीट का जवाब देते हुए अब प्रधानमंत्री मोदी ने भी उसी भाषा में कनाडा को जवाब दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि भारत, एक दूसरे की चिंताओं के सम्मान के आधार पर कनाडा के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। दरअसल भारत लंबे समय से आरोप लगा रहा है कि कनाडा में खालिस्तानी और कट्टरपंथी गतिविधियां बढ़ रही हैं। भारत सरकार ने कई बार कनाडा की सरकार से कट्टरपंथी तत्वों पर लगाने लगाने की मांग की, लेकिन कनाडा की सरकार ने वोटबैंक की राजनीति के चलते आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्वीट को भी इसी से जोड़कर देखा जा रहा है।

जयशंकर ने मालदीव, श्रीलंका और बांग्लादेश के प्रमुखों से की मुलाकात, कहा- साथ काम करने के लिए तत्पर

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें कीं। मुइज्जू, हसीना और विक्रमसिंघे भारत के पड़ोस और हिंद महासागर क्षेत्र के उन सात नेताओं में शामिल थे, जो रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, आज नई दिल्ली में मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू से मुलाकात करते हुए प्रसन्नता हो रही है। भारत और मालदीव के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हूं। जयशंकर मोदी के पिछले मंत्रिमंडल में विदेश मंत्री थे। उन्होंने रविवार को केंद्रीय मंत्री के रूप में शपथ ली। पिछले साल 17 नवंबर को द्वीप राष्ट्र के राष्ट्रपति बनने के बाद मुइज्जू की यह पहली भारत यात्रा थी। चीन समर्थक झुकाव के लिए जाने जाने वाले मुइज्जू के राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद से भारत और मालदीव के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। राष्ट्रपति बनते ही उन्होंने अपने देश से भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस जाने को कह दिया था।

गाजा में इस्राइल की कार्रवाई का विरोध

274 फलस्तीनियों के कत्लेआम के खिलाफ दुनियाभर में प्रदर्शन

वाशिंगटन/काहिरा। गाजा पर बड़ी कार्रवाई के तहत इस्राइली हमलों में 274 फलस्तीनियों के कत्ले-आम व 700 से ज्यादा को बुरी तरह जख्मी करने के बाद पूरी दुनिया में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। हमास व हिजबुल्ला समर्थकों ने जहां व्हाइट हाउस के पास इस्राइल विरोधी प्रदर्शन किए वहीं मिस्र, ईरान, इराक, कतर और लेबनान में भी उग्र प्रदर्शन हुए। अमेरिका में प्रदर्शनकारियों ने बाइडन का विरोध किया। व्हाइट हाउस के पास फलस्तीन समर्थकों ने इस्राइल के खिलाफ जिहाद का आह्वान किया और गाजा में हमास के खिलाफ इस्राइली जंग में अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ देने पर गुस्सा जताया। प्रदर्शनकारी एक लंबे बैनर पर गाजा की जंग में मारे गए फलस्तीनियों के नाम लिखे हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने लाल कपड़े पहनकर फलस्तीनी झंडे उठाए हुए थे। बैनरों पर लिखा था, बाइडन की लाल रेखा झूठ थी, बच्चों पर बमबारी आत्मरक्षा नहीं। उधर, मिस्र में हजारों लोग फलस्तीनियों के समर्थन में उतरे।

इस्राइल के तीन सदस्यीय युद्ध मंत्रिमंडल के मध्यमार्गी सदस्य बेनी गैंट्ज ने रविवार को अपने इस्तीफे की घोषणा की। हालांकि बेंजामिन नेतन्याहू को तत्काल कोई खतरा नहीं है, जो अभी भी संसद में बहुमत वाले गठबंधन को नियंत्रित करते हैं। लेकिन इस्राइली नेता अब अपने अन्य सहयोगियों पर अधिक निर्भर हो गए हैं। पूर्व सैन्य प्रमुख गैंट्ज 7 अक्टूबर को हमास के हमले के तुरंत बाद नेतन्याहू की सरकार में शामिल हो गए थे। विश्व निकाय ने शर्मनाक देशों व संगठनों की सूची में इस्राइल और हमास को भी शामिल कर लिया है। संयुक्त राष्ट्र ने यह कार्रवाई इस्राइली सेना द्वारा गाजा में बाल विरोधी कार्रवाई, मानवाधिकारों के उल्लंघन के चलते की है। इस्राइल पहली बार सूची में शामिल हुआ है। सूची में रूस, अफगानिस्तान, इराक, म्यांमार, सोमालिया, यमन, सीरिया, आतंकी संगठन आईएस, अल-कायदा और बोको हराम भी शामिल हैं। इस्राइल ने इस कालीसूची को शर्मनाक बताया है।

अमेरिका के हेनरी बिकॉफ 693 लोगों को दे चुके हैं खून

68 साल के हेनरी 49 वर्षों में दान कर चुके हैं 110 लीटर रक्त

नई दिल्ली। संयुक्त राज्य अमेरिका का एक शख्स 49 साल से ब्लड डोनेट कर रहा है। यह आदमी अब तक 29 गैलन खून (करीब 110 लीटर) दान कर चुका है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इसने रक्त दान से 693 लोगों की मदद की है। वह इस काम को मल्टी टास्किंग कहते हैं। उनका कहना है कि वह हर 56 दिन में ब्लड डोनेट करते हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए एक बयान में उन्होंने कहा कि जब पहली बार ब्लड डोनेट किया तो बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। चक्कर आ रहे थे। लेकिन, अब उन्हें खून दान करने में बहुत अच्छी फीलिंग आती है। वह इस काम से बहुत खुश हैं। अमेरिकी राज्य लॉन्ग आइलैंड के हेनरी बिकॉफ ने ब्लड डोनेट का काम 1975 में शुरू किया था। उनका कहना है कि उस वक्त वह कॉलेज में पढ़ते थे। न्यूयॉर्क ब्लड सेंटर के मुताबिक, 68 साल के हेनरी ने अब तक ब्लड डोनेट से 693 लोगों की मदद की है। वह 49 वर्षों में 29 गैलन (लगभग 110 लीटर) रक्त दान कर चुके हैं। हेनरी अ ब तक कितना ब्लड डोनेट कर चुके हैं इसका अंदाजा ऐसे लगा सकते हैं कि यह 870 सिंगल-सर्व आइसक्रीम स्कूप, 310 कोक कैन या लगभग छह गैलन ऑफिस वॉटर कूलर की बोतलों के बराबर है। उन्होंने न्यूयॉर्क पोस्ट को बताया, ह्मैं इ स बहुत समय से कर रहा हूं। यह अब मेरे लिए दैनिक कार्य जैसा है। ऐसा करके मुझे अच्छी पहचान भी मिल रही है। इससे बहुत अच्छा लगता है। आई स्पेशलिस्ट हेनरी का कहना है कि उन्होंने पहली बार ब्लड डोनेट किया वो कॉलेज में थे। हालांकि पहली बार का अनुभव बिल्कुल भी अच्छा नहीं था। मुझे चक्कर आ रहे थे। अस्पताल ने मुझे खाने के लिए कुछ नहीं दिया, न ही आराम मिला। उन्होंने आगे कहा कि मैं इसे मल्टीटास्किंग मानता हूं। मैं हर 56 दिन में रक्त दान करने के लिए समय निकालता हूं। पिछले कई वर्षों से मैं ऐसा रूटीन बना चुका हूं। हेनरी की पत्नी कभी-कभी रक्तदान करती हैं। हालाँकि, उनकी बेटी एक दुर्लभ ब्लड डिसीज के कारण ब्लड डोनेट नहीं कर पाती है। लेकिन, हेनरी के बेटे के ब्लड डोनेट में कोई दिलचस्पी नहीं है। हेनरी की 36 वर्षीय बेटी का कहना है कि उसे इस काम के लिए अपने पिता पर बहुत गर्व है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को लगाई फटकार, जल संकट संबंधी याचिका पर जताई नाराजगी

आप जल्द कार्रवाई चाहते हैं, लेकिन खुद आराम से बैठे हैं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली सरकार को फटकार लगाई और जल संकट संबंधी याचिका में खामियों को ठीक न करने पर नाराजगी जताई। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मांग की है कि हरियाणा सरकार को निर्देश दिए जाएं कि वह हिमाचल प्रदेश के मिले अतिरिक्त पानी को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लिए छोड़े ताकि दिल्ली में पानी के संकट से निपटा जा सके। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस प्रसन्ना बी वाराले की अवकाश पीठ को सुनवाई के दौरान पता चला कि सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्री विभाग ने हलफनामा स्वीकार करने से इनकार कर दिया है क्योंकि दिल्ली सरकार ने अपनी याचिका में मौजूद खामियों को अभी तक दूर नहीं किया है। इस पर पीठ ने नाराजगी जताई और दिल्ली सरकार को फटकार लगाते हुए कहा आपने अभी तक याचिका की खामियों को दूर नहीं किया है हम आपकी याचिका को खारिज कर देंगे। पिछली सुनवाई में भी बताया गया था, लेकिन उसके बावजूद आपने गलतियों को ठीक नहीं किया। आप कोर्ट की कार्यवाही को हल्के में नहीं ले सकते फिर चाहे आपका मामला कितना भी जरूरी क्यों न हो। हमें हल्के में न लें। हम दाखिल किए गए दस्तावेजों को स्वीकार नहीं कर रहे हैं। आप सीधे अदालत में कोई दस्तावेज सौंपते हैं और फिर आप कहते हैं कि आपको पानी की कमी है और आज ही आदेश पारित कर दें। आप जल्द कार्रवाई चाहते है, लेकिन खुद आराम से बैठे हैं।

सबकुछ रिकॉर्ड पर आने दीजिए। हम परसों इस पर सुनवाई करेंगे। सुप्रीम कोर्ट पीठ ने यह कहकर मामले की सुनवाई 12 जून तक टाल दी। पीठ ने ये भी कहा कि वह पहले मामले की फाइलें पढ़ना चाहते हैं क्योंकि अखबारों में इस मामले पर काफी कुछ लिखा जा रहा है। पीठ ने कहा कि अगर हम फाइलें नहीं पढ़ेंगे तो हम भी अखबारों में हो रही रिपोर्टिंग से प्रभावित हो सकते हैं। यह किसी भी पक्ष के लिए अच्छा नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत, बढ़ाई समयसीमा

आम आदमी पर्टा 10 अगस्त तक खाली कर सकेगी कार्यालय

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आम आदमी पार्टी को राहत देते हुए राउज एवेन्यू स्थित पार्टी कार्यालय को खाली कराने की समय सीमा बढ़ा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अब पार्टी को 10 अगस्त तक पार्टी कार्यालय खाली करने का आदेश दिया है। इससे पहले 4 मार्च को सर्वोच्च अदालत ने आम आदमी पार्टी को 15 जून तक कार्यालय खाली करने का निर्देश दिया था। समयसीमा खत्म होने से पहले ही आम आदमी पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर डेडलाइन बढ़ाने की मांग की थी। आप की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ ने आम आदमी पार्टी की तरफ से पेश हुए वकील अभिषेक मनु सिंघवी की दलीलों पर गौर करने के बाद समयसीमा 10 अगस्त तक बढ़ा दी। पीठ ने साफ कर दिया कि यह अंतिम मौका है और आम आदमी पार्टी को 10 अगस्त या उससे पहले 206, राउज एवेन्यू स्थित इमारत से अपना कब्जा छोड़ना होगा। गौरतलब है कि राउज एवेन्यू में जिस जगह आम आदमी पार्टी का कार्यालय है, वह जगह दिल्ली हाईकोर्ट परिसर को आवंटित है और यहां जिला अदालतों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाना प्रस्तावित है। सुप्रीम कोर्ट ने आप को लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस में संपर्क करके उनके कार्यालय के लिए जमीन आवंटित करने की मांग करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने जमीन विकास विभाग को चार हफ्तों के भीतर आम आदमी पार्टी की अपील पर जवाब देने का निर्देश दिया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569